www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 136 || अम्बेडकरनगर
गुरुवार
06 अगस्त 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:33
सूर्यास्त: 06:52
अधिकतम: 28°00
न्यूनतम: 27°00

पेज 07

विशेष समाचार | आधुनिक और आत्मनिर्भर... >> पेज 04 | लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस... >> पेज 06 | 52 की हुई काजोल...

कंपनी ने माना चाइल्ड पोर्न कंटेंट और डीप फेक रोकने में भी नाकाम रहे

पीएम मोदी की पोस्ट हटाने पर जुकरबर्ग ने मांगी माफी

क्षमा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। Meta के CEO मार्क जुकरबर्ग ने बुधवार को पीएम मोदी का फेसबुक पोस्ट हटाए जाने के मामले में भारत सरकार से माफी मांगी है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी PTI ने सरकारी सूत्रों के हवाले से दी है। कंपनी ने यह भी माना कि उसके प्लेटफॉर्म पर चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मैटेरियल, डीपफेक और कंटेंट मॉडरेशन से जुड़ी चूक हुई हैं। Meta की ग्लोबल टीम ने कंपनी के ग्लोबल अफेयर्स चीफ जोएल कैपलन के नेतृत्व में केंद्रीय IT मंत्री अश्विनी वैष्णव और IT सचिव एस. कृष्णन से मुलाकात की। यह बैठक पिछले महीने पीएम मोदी का फेसबुक पोस्ट हटने के बाद सरकार की ओर से भेजे गए समन के बाद हुई। >> (शेष पेज 06 पर)

> मेटा के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर जोएल कापलान की अगुआई में एक हाई लेवल कमेटी ने आईटी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन से मुलाकात की।

सरकार ने कहा- मेटा जिम्मेदारी से बच नहीं सकती

बैठक में Meta ने स्वीकार किया कि कुछ खास तरह के कंटेंट को प्रमोट करने के लिए बड़ी रकम खर्च की गई। इस वजह से प्लेटफॉर्म पर अवैध कंटेंट भी प्रमोट हुआ। हालांकि, सूत्रों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस तरह के कंटेंट की बात की गई। सरकार ने Meta से कहा कि वह IT अधिनियम के तहत खुद को सिर्फ एक इंटरमीडियरी नहीं कह सकती। >> (शेष पेज 06 पर)

23 जुलाई को पीएम ने वीडियो मैसेज पोस्ट किया था

23 जुलाई की रात 12 बजे X हैंडल पर पोस्ट किए गए 2.56 मिनट के वीडियो मैसेज में मोदी ने कहा-

पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। लाखों छात्रों, उनके माता-पिता के लिए पीड़ादायक है। इसलिए पेपर लीक से अब तक, पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए हैं। गुनहगारों को पकड़ा है, वे जेल में हैं। हमारी जिम्मेदारी थी कि छात्रों का साल बर्बाद न हो, इसलिए कम समय में 22 लाख छात्रों का एग्जाम कराया। 19 जुलाई को रिजल्ट भी आ गया। उन्होंने यह भी कहा- हम इतने से संतोष करने वाले नहीं हैं। इसलिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का निर्देश दिया है।दरअसल, यह पूरा मामला 3 मई को हुए NEET UG पेपर लीक से जुड़ा है।

रांची में जंतर-मंतर जैसा धरना 7 प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर

एक ने पानी तक छोड़ा था, वांगचुक की अपील पर पिया

अनशन

तमसा संकेत, एजेंसी

रांची । झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ जंतर-मंतर जैसा आंदोलन चल रहा है। 7 से ज्यादा प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर हैं। इनमें छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने 2 अगस्त से अन्न-जल छोड़ रखा था। बुधवार को सोनम वांगचुक ने देवेंद्र से वीडियो कॉल पर बात की। उनकी अपील पर देवेंद्र ने पानी पिया, लेकिन कहा कि उनका अनशन जारी रहेगा। वहीं SDM कुमार रजत और ADM धनंजय कुमार प्रदर्शनकारी उम्मीदवारों से मिलने के लिए मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री की ओर से प्रदर्शनकारियों के 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के लिए बुलाया। >> (शेष पेज 06 पर)

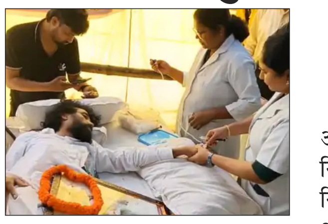

■ सोनम वांगचुक ने बुधवार को वीडियो कॉल कर छात्र देवेंद्र महतो को पानी पिलवाया।

छात्र क्यों कर रहे हैं आंदोलन

2 जुलाई को झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) ने 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी किया था। इसमें 2,204 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के लिए चुने गए। इसके बाद 18 से 20 जुलाई के बीच मेंस परीक्षा होनी थी।

रिजल्ट आने के बाद कई उम्मीदवारों ने गड़बड़ी के आरोप लगाए। उनका कहना था कि कट-ऑफ जारी नहीं की गई। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक उम्मीदवार की कथित OMR शीट वायरल हुई। >> (शेष पेज 06 पर)

यूपी विधानसभा में अनुपूरक बजट पास

सीएम योगी आदित्यनाथ का सपा पर हमला- 'युवा, किसान और महिला विरोधी'

डबल इंजन सरकार विगत 09 वर्षों से प्रदेश के प्रत्येक तबके के कल्याण हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही : मुख्यमंत्री

59,000 करोड़ रु0 से अधिक के अनुपूरक बजट में प्रदेश के विकास में मजबूती के साथ योगदान देने वाले प्रत्येक वर्ग को लाभान्वित करने का प्रयास किया गया

विधान परिषद से पारित होने के पश्चात इस बजट को अलग-अलग कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक जरूरतमन्द तक पहुंचाने का काम किया जाएगा

स्थगन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी विधानसभा में मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को अध्यक्ष सतीश महाना ने पद छोड़ने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा- कल सदन में जो हुआ, उससे मैं आहत हूं। मेरे मन में पीड़ा है। मुझे पहली बार लगा कि या तो हमारे प्रयास में कहीं कमी रह गई या फिर डॉ. अंबेडकर की बात सही है कि कमी संविधान में नहीं, व्यक्तियों में होती है।

उन्होंने कहा मेरी लंबी राजनीतिक पारी अब अंतिम चरण में है।

>> (शेष पेज 06 पर)

- अनुपूरक बजट में नई मांगों के साथ-साथ प्रदेश की अवसंरचना को सुदृढ़ व एक्सप्रेस-वे के नेटवर्क को बेहतर बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों की मांग के अनुसार धनराशि का प्राविधान
- आदि का मानदेय बढ़ाने के लिए धनराशि की व्यवस्था

सपा ने रवैये के चलते वेलफेयर योजनाओं पर चर्चा नहीं हुई

सीएम योगी ने कहा- सपा के हंगामे के बीच 59 हजार करोड़ से अधिक का अनुपूरक बजट पास हुआ। लेकिन, सपा के नकारात्मक रवैये के कारण युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों के लिए बनने वाली वेलफेयर योजनाओं पर सदन में कोई चर्चा नहीं होने दी गई। उन्होंने कहा- इन्होंने (सपा) शिक्षामित्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया था। हमारी सरकार ने शिक्षामित्रों का मानदेय 10 हजार से बढ़ाकर 18 हजार किया है। आज उत्तर प्रदेश विधानसभा ने उनके इसी दोहरे चरित्र को उजागर किया है।

■ विधानसभा अध्यक्ष आहत, पद छोड़ने की चेतावनी दी कहा- मैं कुर्सी के योग्य हूं या नहीं, सोचना पड़ेगा
■ एक दिन पहले सत्र खत्म

फास्ट न्यूज

गडकरी से जुड़ी आपत्तिजनक पोस्ट फौरन हटाएं

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मेटा और एक्स को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट फौरन हटाने का आदेश दिया। साथ ही पोस्ट करने वाले यूजर्स की जानकारी भी मांगी।

जांच खुलासा

सीजेपी प्रोटेस्ट में ब्लास्ट की साजिश रच रही थी आईएसआई

अमृतसर । पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर NEET पेपर लीक के खिलाफ चल रहे धरने के दौरान आतंकी हमले की साजिश रची थी। पंजाब पुलिस ने साजिश में शामिल चार नाबालिगों समेत कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अमृतसर पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन अवैध पिस्तौल, जिंदा कारतूस, चार पेट्रोल बम, सीसीटीवी कैमरे, एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि जिस समय जंतर-मंतर पर छात्रों का विरोध प्रदर्शन चल रहा था तभी आरोपी ट्रेन से दिल्ली पहुंचे थे।

सरकार परिसीमन बिल पर विशेष सत्र बुला सकती है

नई दिल्ली। सरकार परिसीमन पर चर्चा के लिए 16 से 18 अगस्त तक संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को संसद में राहुल, प्रियंका सहित अन्य कांग्रेस सांसदों से मुलाकात की। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि किरेन रिजिजू ने आज परिसीमन के मुद्दे पर उनसे बात की।

वे मुझे जेल में डालें या मार दें 2 साल बाद वर्चुअल भाषण दिया, कैमरा ऑफ था

दिसंबर में बांग्लादेश लौटूंगी : शेख हसीना

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/ढाका । बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। भाषण के दौरान उनका कैमरा बंद रहा। 25 मिनट के भाषण में उन्होंने कहा-मुझे पता है कि वे मुझे जेल में डाल सकते हैं या मार भी सकते हैं, फिर भी मैं दिसंबर में बांग्लादेश वापस जाउंगी। लोगों का समर्थन मेरे लिए बहुत जरूरी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

शेख हसीना बोलीं- अवामी लीग नेताओं की हत्या हो रही, 10 हजार लोग मारे गए या लापता

शेख हसीना ने दावा किया कि अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या की जा रही है, उन्हें गायब किया जा रहा है, गिरफ्तार किया जा रहा है और झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। हसीना ने कहा कि अब तक कम से कम 10 हजार लोग मारे गए हैं या लापता हैं। वहीं, 10 लाख से ज्यादा लोगों को अज्ञात आरोपी बनाकर केस दर्ज किए गए हैं।

2 साल पहले भारत आई थीं शेख हसीना

शेख हसीना अगस्त 2024 से भारत में रह रही हैं। छात्र आंदोलन के बाद उनकी सरकार गिर गई थी और उन्हें ढाका छोड़ना पड़ा था। पिछले साल नवंबर में ढाका के एक विशेष ट्रिब्यूनल ने 2024 के आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई को लेकर मानवता के खिलाफ अपराध के मामले में उन्हें गैरहाजिरी में मौत की सजा सुनाई थी। इसके बाद से बांग्लादेश सरकार लगातार भारत से उनके प्रत्यर्पण की मांग कर रही है।

जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों के साथ राहुल की प्रेस कॉन्फ्रेंस

लड़की ने कहा- भारत माता की जय बोलने पर देशद्रोही कहा, शांति से चलने पर भी मारा

वार्ता

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । राहुल गांधी ने बुधवार को दिल्ली में 10 जनपथ पर जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल ने कहा कि 20 जुलाई को हुए कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन के दौरान स्टूडेंट पर लाठी-पैलेट गन से हमला किया गया।

राहुल अपने साथ चार प्रदर्शन-कारी छात्र और छात्राओं को मीडिया के सामने लाए। एक छात्रा ने कहा- भारत माता की जय बोलने पर हमें देशद्रोही कहा गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

फराह नाज बोलीं- भारत माता की जय बोलने पर देशद्रोही कहा

यूपी की फराह नाज ने कहा- हम जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस के गुंडो ने हमें बहुत बुरी तरह से मारा। मुझे बस में बिठाया। तीन घंटे तक बिठाए रखा, फिर नाम पूछा। मैंने बताया तो कहने लगे कि ये मुस्लिम है, इनकी अलग लिस्ट बनाई जाएगी। ये देशद्रोही हैं। हम लोग तो वंदे भारत और भारत माता की जय के नारे लगा रहे थे। फिर भी हमें देशद्रोही बोलते हैं।

> राहुल गांधी ने कहा- प्रदर्शनकारियों ने कुछ भी गलत नहीं किया। इनका लगातार शोषण हो रहा है। ये बच्चे देश के भविष्य के लिए लड़े। इन्हें माफी मांगने की जरूरत नहीं। लोकतंत्र के लिए ये बच्चे लड़े, इसके लिए इनका धन्यवाद।

युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार : एससी

भटके युवक पत्थरबाजी करते हैं, सरकार आक्रामक रवैये से बचे

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में हिंसा को लेकर एक याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार है।

कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को संयम रखना चाहिए। अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी भी करें, तब भी उन्हें समझाने और शांत करने की कोशिश करनी चाहिए। सरकार को भी आक्रामक रवैया अपनाने से बचना चाहिए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की बेंच ने यह टिप्पणी रिटायर्ड एयरफोर्स अफसर मनीष कुमार सोलंकी की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। याचिका में 20 जुलाई के 'संसद चलो' मार्च के आयोजकों यानी CJP प्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। कोर्ट ने इस याचिका को इसी मामले से जुड़ी दूसरी याचिका के साथ जोड़ दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ सुप्रीम कोर्ट बोला- युवाओं को काउंसलिंग मिलनी चाहिए

बयान : ब्राह्मण सम्मेलन में कृष्ण-सुदामा की दोस्ती याद दिलाई, कहा- बटुकों, शंकराचार्य का अपमान किया

पीडीए में पीड़ित, पंडित साथ-साथ : अखिलेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा- आज लोग 'पीडीए' की नई-नई परिभाषाएं बना रहे हैं। जब से वे पीडीए से हारे हैं, तब से इसके नए-नए मतलब बता रहे हैं। वे यह भूल गए हैं कि पीडीए में 'पंडित' और 'पीड़ित' सब साथ-साथ हैं।

सपा दफ्तर में आयोजित प्रबुद्धजन (ब्राह्मण) सम्मेलन में अखिलेश ने कहा- भगवान कृष्ण और सुदामा की दोस्ती आज की नहीं है, यह हजारों साल पुरानी है। सच्चे दोस्त किसी बात की परवाह नहीं करते। जिन्होंने महाभारत पढ़ी होगी, उन्हें यह अच्छे से पता होगा। अगर दुनिया में कृष्ण और सुदामा की दोस्ती का कोई दूसरा उदाहरण हो तो बता दीजिए। शंकराचार्य विवाद पर सपा प्रमुख ने कहा-इतिहास में ऐसा कोई उदाहरण नहीं मिलता कि किसी सरकार ने शंकराचार्य को कहीं जाने से रोका हो। हमारे शंकराचार्य जी को त्रिवेणी में स्नान करने से रोका गया। उन्हें धरना तक देना पड़ा, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

>> (शेष पेज 06 पर)

विधायकों ने बाटी-चोखा खा लिया तो उन्हें नोटिस मिल गया

अखिलेश ने ब्राह्मण विधायकों के बाटी-चोखा पार्टी पर मचे बवाल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा- खाने-पीने पर कोई नोटिस नहीं मिलता। लेकिन, विधायकों ने बाटी-चोखा खा लिया तो उन्हें नोटिस मिल गया। कैसे-कैसे अपमानित करते हैं। कोई क्वेश्चन पेपर आया। पूछा गया कि बताओ अवसरवादी कौन होता है। अपमान का कोई तरीका नहीं छोड़ा जा रहा।

'एक डीसीएम हैं, बिना बरसात के छाता लगाते हैं'

अखिलेश ने बिना नाम लिए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक पर तंज कसा। उन्होंने कहा- एक डीसीएम हैं, बिना बरसात के छाता लगाते हैं। कहा जाता है कि उनकी एक गार्ड भी नहीं सुनता है। जो लोग सच्चाई जानते हैं, वह जानते हैं कि गार्ड की बात कोई गार्ड कैसे सुनेगा। सबसे बड़ा महत्वपूर्ण विभाग उनके पास है। स्वास्थ्य विभाग को आज दवाई और इलाज की जरूरत है। इस सरकार ने एंबुलेंस को बर्बाद तो किया ही है। सरकारी अस्पताल में कोई चला जाए तो संभव है उसकी जान भी न बचे। जिंदा व्यक्ति को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज देते हैं। जिसको ऑपरेशन की जरूरत नहीं थी, उसे ओटी में भेज देते हैं। ये तो अच्छा था कि उसे होश आ गया और वह वहां से भाग गया।

शामली में दिनदहाड़े कार्बाइन से 5 राउंड फायरिंग, सिपाही के पेट में लगी गोली

कैराना से हिंदुओं को भगाने का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

मुठभेड़

तमसा संकेत, एजेंसी

शामली। शामली में बुधवार दोपहर दिनदहाड़े हुई मुठभेड़ में एक लाख का इनामी बदमाश मोहम्मद फुरकान मारा गया। उसने पुलिस को देखते ही कार्बाइन और पिस्टल से करीब 5 राउंड ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। मुठभेड़ में एक सिपाही के पेट में गोली लगी है।

इसके बाद पुलिस टीम ने खुद को बचाते हुए जवाब दिया। इस दौरान फुरकान को गोली लगी और वह गिर गया। फुरकान और सिपाही को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बदमाश को मृत घोषित कर दिया। जबकि सिपाही को मेरठ रेफर कर दिया गया। फुरकान 4 साल से फरार चल रहा था। 12 साल पहले उसने शामली के ही कैराना में बीच बाजार व्यापारी नेता विनोद सिंघल की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उस पर लूट-हत्या, रंगदारी के 30 केस दर्ज हैं। फुरकान (50) मुकीम काला गैंग का एक्टिव बदमाश था। 2016 में कैराना में तीन व्यापारियों की हत्या की गई थी। इसके बाद तमाम हिंदू परिवार पलायन कर गए थे। फुरकान और मुकीम पलायन के आरोपी थे।

कोर्ट से एक मामले में उसे 10 साल की सजा हो चुकी थी, लेकिन हाईकोर्ट से जमानत पर बाहर था। उसके पास से 9 एमएम की कार्बाइन, 9 एमएम की पिस्टल, 20 से अधिक जिंदा कारतूस, कई खोखे और बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद हुई है।

मुठभेड़ के बाद एसपी एनपी सिंह भी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

5-6 राउंड फायरिंग, एस एच ओ-एसओ समेत तीन की बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली धंसी, सिपाही घायल

SP एनपी सिंह ने बताया- बुधवार दोपहर 12 बजे थाना झिंझाना के SHO बीरेंद्र कसाना को सूचना मिली कि इनामी बदमाश फुरकान अपने साथी के साथ रंगाना गांव के बगल में पोल्ट्री फॉर्म पर आया है। तत्काल उन्होंने अपने स्वाट प्रभारी राहुल सिसौदिया और बाबरी थाने के SO को सूचना दी। पूरी टीम ने घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही फुरकान ने फायरिंग की, जिसमें तीन पुलिकर्मियों को गोली लगी। इनमें सिपाही हरविंदर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्वाट टीम प्रभारी राहुल सिसौदिया, SHO झिंझाना वीरेंद्र कसाना और SO बाबरी कुलदीप के बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी, इससे वह बाल-बाल बच गए।

एसपी बोले- कैराना में कहर बरपाया था

SP ने बताया- 2014 में फुरकान मुकीम काला गैंग से जुड़ा था। इस गैंग ने कैराना में कहर बरपाया था। 10 दिन के अंदर रंगदारी मांगने के लिए तीन व्यापारियों की हत्या की थी। इसके बाद ही कैराना से पलायन शुरू हुआ था। जब मुख्यमंत्री योगी सत्ता में आए, तो उन्हें यहां आना पड़ा। वे पीड़ित परिवारों से भी मिले थे और इसके बाद यहां पलायन रुका था।

पुलिस के मुताबिक, ये मुठभेड़ दोपहर 3 बजे जिला मुख्यालय से करीब 16 किमी दूर झिंझाना क्षेत्र के गांव रंगाना के जंगलों में हुई।

पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश फुरकान गंभीर रूप से घायल हुआ और दूसरा बदमाश खेतों में भाग गया।

'योगी की पुलिस बहुत मारती है, अब यूपी नहीं आएंगे'

भोपाल से काशी आकर लूट की थी, व्हीलचेयर पर बैठे हुए माफी मांगी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। 'यूपी में योगी की पुलिस बहुत मारती है। अब यहां नहीं आएंगे।' भोपाल से वाराणसी लूट करने आए लुटेरों ने व्हीलचेयर पर बैठे-बैठे माफी मांगी। पुलिस के सामने हाथ जोड़कर सुधरने का एक मौका देने के लिए गिड़गिड़ाते रहे। लुटेरों के नाम शब्बीर और मसल्लाह हैं। 3 अगस्त की तड़के पुलिस ने एनकाउंटर में दोनों को गिरफ्तार किया था। मुठभेड़ में दोनों के पैर में गोली मारी गई थी। इन्होंने 16 जुलाई को सर्राफा कारोबारी के कर्मचारी से 27 किलो चांदी की लूट की थी। पुलिस ने एनकाउंटर के बाद 4 किलो चांदी रिकवर कर ली है।

एडीसीपी काशी जोन वैभव बांगर ने बताया- 4 अगस्त को दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। पेशी से पहले दोनों ने पुलिस से माफी मांगते रहे। दोनों मध्यप्रदेश के ईरानी गैंग के मेंबर्स हैं। इनके

अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। वाराणसी की आभूषण मंडी सुड़िया में हेमा ज्वेलर्स नाम से शॉप चलाने वाले विनय सोनी ने बताया- 16 जुलाई शाम 7 बजे मेरा कर्मचारी 27 किलो 327 ग्राम चांदी लेकर रेशम कटरा स्थित महालक्ष्मी ज्वेलर्स जा रहा था। चांदी 26 पीस में एक झोले में रखी थी। रेशम के साथ महालक्ष्मी ज्वेलर्स का एक कर्मचारी भी था। बाइक से दोनों गोविंदपुरा मोड़ पहुंचे थे। तभी दो अज्ञात बाइक सवारों ने उन्हें रोक लिया। खुद को क्राइम ब्रांच का अफसर बताते हुए हड़काया। पूछा- झोले में क्या है। इन्होंने बताया चांदी है, तो उन्होंने झोला ले लिया।

विधानसभा अध्यक्ष महाना ने छात्राओं से किया संवाद

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने छात्राओं का किया उत्साहवर्धन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी), अतरौली (अलीगढ़) की छात्राओं के लिए बुधवार का दिन अविस्मरणीय रहा। शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत उत्तर प्रदेश विधानसभा पहुंचीं छात्राओं ने लोकतंत्र के इस मंदिर का भ्रमण कर न केवल इसकी गरिमा को निकट से महसूस किया, बल्कि यह भी जाना कि प्रदेश की लोकतांत्रिक व्यवस्था किस प्रकार संचालित होती है। इस दौरान उन्होंने समझा कि जनहित से जुड़े विषयों पर विधानसभा में किस प्रकार चर्चा होती है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं।

भ्रमण के दौरान छात्राओं ने विधानसभा भवन के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया तथा इसकी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्हें सदन की कार्यवाही, जनप्रतिनिधियों की भूमिका और विधायी प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। छात्राओं ने उत्सुकता-पूर्वक अनेक प्रश्न पूछे और उनकी जिज्ञासाओं का संतोषजनक समाधान किया गया, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनकी समझ और अधिक समृद्ध हुई।

इस अवसर पर छात्राओं ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना से भी भेंट की। उन्होंने छात्राओं से संवाद करते हुए शिक्षा के महत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का प्रेरक संदेश भी दिया।

भ्रमण के दौरान अतरौली विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साथ यादगार पल साझा किए।

20 शहरों में बारिश, अस्पताल में घुसा पानी

प्रयागराज में खुसरोबाग किले की दीवार ढही, डीसीएम पर पेड़ गिरा, 75 जिलों में अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। बिजनौर और फर्रुखाबाद में गंगा नदी खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। 45 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। 40 सरकारी स्कूलों में बाढ़ का पानी घुस गया है। नदी का पानी हाईवे के ऊपर से बह रहा है।

बिजनौर में हाईवे की अप्रोच रोड नदी के तेज बहाव में बह गई। सड़क पर 12 फीट गहरा गड्ढा हो गया। वहीं, फर्रुखाबाद में चित्रकूट डिप के पास बैरिकेडिंग कर हाईवे को बंद करना पड़ा। सड़कों पर नाव चल रही हैं। लखीमपुर-खीरी में शारदा के कटान में स्कूल का आधा हिस्सा नदी में समा गया।

बुधवार को वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर और नोएडा समेत 15 शहरों में तेज बारिश हुई। वहीं, लखनऊ, बाराबंकी समेत 30 शहरों में बादल छाए रहे। कानपुर देहात में सरकारी अस्पताल में पानी भर गया। मरीजों और तीमारदारों को पानी में उतरकर OPD तक जाना पड़ा। प्रयागराज में ऐतिहासिक खुसरोबाग किले से जुड़ी दीवार ढह गई। एक बड़ा पेड़ डीसीएम पर गिर गया। हादसे में ड्राइवर घायल हो गया।

फर्रुखाबाद में पीएचसी में पानी भरने के बाद पेड़ के नीचे चल रहा अस्पताल

फर्रुखाबाद के राजेपुर ब्लॉक के सबलपुर गांव में बाढ़ के कारण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में पानी भर जाने से अस्पताल को अस्थायी रूप से पेड़ के नीचे संचालित किया जा रहा है। तीन दिन पहले स्वास्थ्य केंद्र में करीब डेढ़ फीट पानी भर गया था, जिसके बाद दवाएं और जरूरी सामान बैलगाड़ी से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। फिलहाल यहां रोजाना 70 से 80 मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-मानसूनी सिस्टम अब यूपी के ऊपर एक्टिव हो गया है। यह दिल्ली, लखनऊ और पटना से होकर गुजर रहा है। इस वजह से कई चक्रवात सक्रिय हो गए हैं। गंगा के मैदानी इलाकों में मानसूनी हवाएं पहुंच गईं हैं। इसके असर से अगले 4 से 5 दिनों तक पूरे प्रदेश में झमाझम बारिश होगी।

ये तस्वीर दिल्ली में संसद परिसर की है। सपा सांसद प्रिया सरोज बारिश का आनंद लेती नजर आईं। उनके साथ धर्मेंद्र यादव, रुचि वीरा समेत कई सांसद थे।

बिजनौर में एक घंटे जोरदार बारिश

बिजनौर में बुधवार शाम अचानक मौसम ने करवट ली और करीब एक घंटे तक जोरदार बारिश हुई। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली।

शुभम जायसवाल की अरेस्टिंग पर दुबई ने जताई सहमति

वाराणसी । 2000 करोड़ रुपए के कोडीन कफ सिरप तस्करी मामले में भगौड़े मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल की गिरफ्तारी का रास्ता साफ हो गया है। दुबई में पनाह लिए हुए शुबह की गिरफ्तारी के लिए रेड कार्नर नोटिस जारी करने के बाद अब विदेश मंत्रालय ने दुबई सरकार को 39 पेज का अस्थायी वारंट सौंपा है। इस आधार पर दुबई सरकार ने शुभम जायसवाल की गिरफ्तारी पर सहमति जताई है। बता दें की कोडीन कफ सिरप मास्टरमाइंड का पासपोर्ट भारत सरकार ने रद्द कर दिया है। लेकिन दुबई का गोल्डन वीजा होने के आधार पर वह दुबई में रह रहा है। गोल्डन वीजा की मियाद दस साल तक होती है। विदेश मंत्रालय के 39 हजार पेज के अस्थायी वारंट के बाद अब दुबई सरकार ने शुबह की गिरफ्तारी के संकेत दिए हैं। ऐसे में जैसे हो दुबई की सुरक्षा एजेंसियां शुभम को गिरफ्तार करेंगी। भारत से सीबाईआई और उत्तर प्रदेश की पुलिस अधिकारियों की एक टीम उसके प्रत्यार्पण के लिए दुबई रवाना होगी और उसे भारत लेकर आएगी।

व्याख्यान ने प्रतिभागियों को इस क्षेत्र में हो रहे नवीन शोध एवं तकनीकी विकास से परिचित कराया

'सेमीकंडक्टर ऑप्टिकल डिटेक्टर्स' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली के भौतिकी विभाग द्वारा इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (IAPT), आरसी-4, उत्तर प्रदेश के सहयोग से ₹Semiconductor Optical Detectors: An Overview₹ विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सेमी-कंडक्टर लेबोरेटरी, चंडीगढ़ के वैज्ञानिक डॉ. सोना दास ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने व्याख्यान में सेमीकंडक्टर ऑप्टिकल डिटेक्टर्स की कार्यप्रणाली, उनके विभिन्न प्रकार, आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उनकी भूमिका तथा संचार, चिकित्सा, रक्षा और अंतरिक्ष विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनके अनुप्रयोगों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उनके व्याख्यान ने प्रतिभागियों को इस क्षेत्र में हो रहे नवीन शोध एवं तकनीकी विकास से परिचित कराया।

IAPT एग्जाम्स के नेशनल कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर बी.पी. त्यागी ऑनलाइन उपस्थित रहते हुए संरक्षण प्रदान किया।

ऑनलाइन लेक्चर को संचालित करने में प्रोफेसर जसपाल सिंह प्रभारी पर्यावरण विज्ञान विभाग बरेली कॉलेज बरेली और उनकी टीम अभिषेक प्रदीप और मुकेश विशेष सहयोग रहा बरेली कॉलेज के शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। व्याख्यान के अंत में प्रतिभागियों ने विषय से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. सोना दास ने सरल एवं वैज्ञानिक ढंग से उत्तर दिया। अंत में भौतिक विभाग प्रभारी प्रोफेसर ऋतु अग्रवाल ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में आयोजन सचिव प्रोफेसर सुंदर सिंह ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने तथा उन्हें नवीनतम अनुसंधान से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ. पी. राय के संरक्षण में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक बरेली कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव श्री देवमूर्ति रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन आयोजन सचिव प्रो. सुन्दर सिंह एवं संयोजक प्रो. ऋतु अग्रवाल के निर्देशन में किया गया।

व्याख्यान में महाविद्यालय के शिक्षकगण, भौतिक विभाग से प्रोफेसर वी पी सिंह, प्रोफेसर नीरज राठौर, प्रोफेसर पीके वर्मा, प्रोफेसर अविनाश अग्रवाल, प्रोफेसर अजय कुमार सिंह, डॉक्टर पुष्पेंद्र कुमार गंगवार, डॉ पूजा मालकर, एवं श्री अजहर हुसैन का सक्रिय सहयोग रहा। प्रोफेसर शुभ्रा कटारा प्रभारी सांख्यिकी, प्रोफेसर एम बी कलहंस प्रभारी रसायन विज्ञान विभाग, प्रोफेसर संगीता सिंह प्रभारी जंतु विज्ञान विभाग भी उपस्थित रहे।

निकाह का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म का आरोप

विरोध करने पर भाई से मारपीट आरोपी हिरासत में

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में शादी (निकाह) का झांसा देकर युवती के साथ लंबे समय तक दुष्कर्म करने तथा विरोध करने पर उसके भाई के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने मुख्य आरोपी को हिरासत में लेकर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पीड़ित भाई द्वारा रामनगर कोतवाली में दी गई लिखित तहरीर के अनुसार, उसकी 18 वर्षीय बहन के साथ शाहपुर गांव निवासी गुफरान पुत्र निसार पिछले करीब दो वर्षों से निकाह का झूठा आश्वासन देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। आरोप है कि जब युवती ने निकाह की बात कही तो आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा। पीड़ित का आरोप है कि 4 अगस्त 2026 की रात करीब 3:30 बजे गुफरान जबरन उनके घर में घुस आया और युवती के साथ जबरदस्ती करने लगा। इसी दौरान युवती का भाई घर पहुंच गया। उसने आरोपी को आपत्तिजनक स्थिति में देखा और शोर मचाया। शोर-शराबा सुनकर आरोपी पक्ष के शफीक, सद्दाम, रफीक, मेराज, निसार तथा निसार का दामाद मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि इन लोगों ने गुफरान को वहां से छुड़ाने का प्रयास किया और विरोध करने पर पीड़ित भाई के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों, लात-घूंसों से मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया।

जांच : न्यायिक आयोग ने रिपोर्ट में दोषी माना, कहा- 4 मौतें पुलिस की गोली से नहीं हुईं

संभल हिंसा : सपा सांसद बर्क ने भीड़ को उकसाया

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल । 24 नवंबर, 2024 को हुई हिंसा पहले से तय साजिश का नतीजा थी। न्यायिक आयोग ने अपनी जांच रिपोर्ट में यह बात कही। हिंसा के पीछे संभल सांसद जिया-उर-रहमान बर्क, संभल विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल, जामा मस्जिद इंतेजामिया कमेटी के अध्यक्ष जफर अली, सचिव मशहूद अली फारुकी, उपाध्यक्ष लद्दन खान, अधिवक्ता कासिम जमाल समेत इंतेजामिया समिति के अन्य सदस्यों की भूमिका सामने आई है।

आयोग ने कहा कि कोर्ट के आदेश पर हो रहे सर्वे को रोकने और राजनीतिक वर्चस्व बनाए रखने के उद्देश्य से भीड़ को भड़काया गया था। आयोग ने 199 गवाहों के बयान, फोरेंसिक रिपोर्ट, वीडियो, दस्तावेज और पुलिस रिकॉर्ड के आधार पर जांच रिपोर्ट तैयार की।

दरअसल, संभल हिंसा की जांच के लिए राज्य सरकार ने न्यायिक आयोग बनाया था। आयोग ने 369 पेज की रिपोर्ट बुधवार को यूपी सरकार को सौंपी।

19 नवंबर, 2024 को हिंदू पक्ष ने संभल की शाही जामा मस्जिद को श्रीहरिहर मंदिर होने का दावा कर सर्वे की मांग की थी।

23 नवंबर को एसपी केके विश्नोई के साथ प्रशासनिक अफसरों ने सर्वे से पहले विवादित स्थल का निरीक्षण किया था।

प्रचार किया गया, जामा मस्जिद खतरे में है

रिपोर्ट के अनुसार, सांसद जिया-उर-रहमान बर्क ने 19 और 22 नवंबर, 2024 को दिए भाषणों में सर्वे और मस्जिद को लेकर ऐसे बयान दिए, जिनसे लोगों में यह धारणा बनी कि मस्जिद पर कब्जा किया जा रहा है। आयोग ने कहा कि इन भाषणों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए गए, जिससे तनाव और बढ़ा। लोगों को यह नहीं बताया गया कि अदालत ने केवल सर्वे का आदेश दिया था। इसके बजाय यह प्रचारित किया गया कि मस्जिद को गिराने या उससे कब्जा हटाने की कार्रवाई होने वाली है। इससे संवेदनशील माहौल और ज्यादा तनावपूर्ण हो गया। बड़ी संख्या में लोग हिंसा के लिए तैयार होकर इकट्ठे हो गए।

साजिश के तहत लोग पत्थर-हथियार लेकर पहुंचे थे

रिपोर्ट में कहा गया है कि 24 नवंबर की सुबह बड़ी संख्या में लोग हथियारों और पत्थरों के साथ जामा मस्जिद के आसपास एकत्र हुए। उद्देश्य सर्वे रोकना और पुलिस-प्रशासन पर हमला करना था। सोहेल इकबाल सुबह मस्जिद पहुंचा। वहां से निकलने के बाद लगातार भीड़ के बीच जाकर लोगों को उकसाता रहा। गवाहों के बयानों में इसका उल्लेख है। इसके बाद मस्जिद के आसपास की गलियों से बड़ी संख्या में लोग निकलकर भीड़ में शामिल हो गए। फिर पथराव, आगजनी और फायरिंग शुरू हुई।

दूसरे के मकान की तस्वीर लगाकर आवास से वंचित करने का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक की ग्राम पंचायत सूरतगंज के घोषिनपुरवा गांव निवासी शांति पत्नी सुरेश ने ग्राम पंचायत सचिव पर आवास योजना की जांच रिपोर्ट में गंभीर अनियमितता का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराने के बाद भी उन्हें प्रधानमंत्री /मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला। महिला शांति के अनुसार, शिकायत के निस्तारण में वास्तविक स्थिति की जांच नहीं की गई। इसके बजाय, किसी दूसरे व्यक्ति के मकान की तस्वीर लगाकर उन्हें आवास योजना के लिए अपात्र घोषित कर दिया गया। शांति का कहना है कि वह इस योजना की पात्र लाभार्थी हैं और उन्होंने कई बार ग्राम पंचायत स्तर पर आवेदन भी किया था। महिला ने प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि मौके पर सही जांच की जाए तो वास्तविक स्थिति सामने आ जाएगी। शांति ने उच्च अधिकारियों से मामले की पुनः जांच, गलत रिपोर्ट को निरस्त करने और दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की अपील की है। उन्होंने पात्र लाभार्थियों को पारदर्शी तरीके से योजना का लाभ देने की भी मांग की है। इस संबंध में ग्राम पंचायत सचिव चंद्रशेखर गुप्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आवास के लिए आवेदन किया था, लेकिन वर्तमान में आवास योजना की साइट नहीं चल रही है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता के हित में ही यह रिपोर्ट लगाई गई है, ताकि साइट शुरू होते ही उनका नाम दर्ज कर उन्हें आवास उपलब्ध कराया जा सके।

शांति ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत सचिव चंद्रशेखर गुप्ता द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट पूरी तरह से गलत है। रिपोर्ट में जिस पक्के मकान की तस्वीर का इस्तेमाल किया गया है, वह उनका नहीं बल्कि किसी और का है। उनका दावा है कि उनकी जानकारी और सहमति के बिना यह फर्जी रिपोर्ट तैयार कर शिकायत का निस्तारण कर दिया गया।

हेलीपैड से मंच, सुरक्षा और जनसुविधाओं तक हर व्यवस्था की समीक्षा

गोविंद साहब में तैयारियों की रफ्तार तेज

निरीक्षण

बृजेंद्र वीर सिंह

> जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग और अन्य व्यवस्थाओं पर सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। लक्ष्य है कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां समय से पहले पूरी कर ली जाएं।

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। बुधवार को तहसील आलापुर के विकासखंड रामनगर स्थित पूर्वांचल के प्रसिद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थल गोविंद साहब में मंडलायुक्त राजेश कुमार और डीआईजी सोमेन वर्मा ने कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। उनके साथ जिलाधिकारी ईशा प्रिया, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने हेलीपैड निर्माण, मुख्य मंच, कार्यक्रम स्थल की तैयारियों और साफ-सफाई का बारीकी से जायजा लिया। इसके साथ ही पार्किंग, आवागमन मार्ग, बैठक व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, बैरिकेडिंग, विद्युत आपूर्ति और सुरक्षा प्रबंधन की भी समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यातायात प्रबंधन और पार्किंग व्यवस्था की भी समीक्षा की। कार्यक्रम स्थल तक आने वाले मार्गों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और बैरिकेडिंग को लेकर पुलिस अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली गई। पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता जैसे बुनियादी इंतजामों को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए, ताकि कार्यक्रम में आने वाले लोगों को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

हर विभाग को मिली तय समय में काम पूरा करने की जिम्मेदारी

मंडलायुक्त और डीआईजी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी व्यवस्थाएं तय समयसीमा के भीतर पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में सभी विभाग बेहतर समन्वय के साथ काम करें और किसी भी व्यवस्था में कमी न रहने दें। विद्युत विभाग को विशेष रूप से बिजली आपूर्ति के साथ सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान निर्बाध बिजली व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता होगी।

किसानों के प्रशिक्षण से लेकर मिलेट्स की मार्केटिंग तक बनेगा रोडमैप

आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक में कृषि योजनाओं की समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में कृषि योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आत्मा (ATMA) गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में कृषि विभाग और संबद्ध विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला भी मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत उप कृषि निदेशक डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने वर्ष 2025-26 में संचालित योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति के प्रस्तुतीकरण से की। इसके बाद विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार योजना, नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग, कृषि यंत्रीकरण, फसल अवशेष प्रबंधन और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन की प्रगति पर चर्चा हुई। समीक्षा के बाद योजनाओं के प्रभावी संचालन को मंजूरी दी गई। बैठक में उद्यान विभाग को बटन मशरूम उत्पादन, केला और शिमला मिर्च की खेती का विस्तार करने के निर्देश दिए गए। मत्स्य विभाग से मछली पालन के साथ मोती की खेती को बढ़ावा देने की कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। साथ ही जनपद में तैयार मिलेट्स उत्पादों—सावां, कोदो, रागी, ज्वार और बाजरा—की बेहतर मार्केटिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

> जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आत्मा योजना के तहत किसानों के एक्सपोजर विजिट ऐसे संस्थानों में कराए जाएं, जहां उन्हें उन्नत कृषि तकनीक, बेहतर बीज और पशुपालन की आधुनिक जानकारी मिल सके। इसके लिए करनाल, बरेली और बाराबंकी जैसे प्रमुख कृषि एवं पशु प्रजनन केंद्रों का चयन करने को कहा गया।

फास्ट न्यूज

दुर्गा मंदिर में पूजा के बाद देवघर के लिए रवाना हुए कांवड़िये

अम्बेडकरनगर। जलालपुर में सावन माह के दौरान बुधवार को यादव चौराहा स्थित दुर्गा माता मंदिर में कांवड़ियों ने पूजा-अर्चना कर यात्रा की शुरुआत की। मंदिर में दर्शन और पूजन के बाद श्रद्धालुओं का जत्था बाबा बैजनाथ धाम (देवघर) के लिए रवाना हुआ।

यात्रा शुरू होने से पहले मंदिर परिसर में कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज में विद्यार्थी विज्ञान मंथन पर कार्यशाला

अम्बेडकरनगर। सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज, अकबरपुर में बुधवार को विद्यार्थी विज्ञान मंथन (VVM) 2026-27 के तहत छात्र अभिमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना, विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना और राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में विज्ञान भारती, अवध प्रांत के राज्य समन्वयक नीरज यादव ने विद्यार्थियों को VVM की रूपरेखा से अवगत कराया।

डिस्टेंस एजुकेशन की बढ़ती उपयोगिता पर मंथन

अम्बेडकरनगर। हंसवर के चौक क्षेत्र में बुधवार को 'वर्तमान में डिस्टेंस एजुकेशन की आवश्यकता' विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता इरफान अहमद ने की, जबकि संचालन रियाज़ अहमद ने किया। गोष्ठी में शिक्षकों और शिक्षाविदों ने बदलते शैक्षिक परिदृश्य में दूरस्थ शिक्षा की भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

डेढ़ महीने से लापता विप्लव का नहीं मिला सुराग

युवक के गायब होने का मामला उलझा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर क्षेत्र में युवक के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। कबीरपुर कसेरुआ निवासी विप्लव वर्मा करीब डेढ़ महीने से गायब हैं। घर नहीं लौटने और मोबाइल बंद मिलने के बाद पत्नी प्रियंका वर्मा ने पुलिस से मदद मांगी है। उन्होंने पति के साथ अनहोनी की आशंका जताते हुए जमीन विवाद का भी जिक्र किया है। पुलिस को दी गई शिकायत में पत्नी ने बताया कि काफी तलाश के बाद भी विप्लव वर्मा का कोई पता नहीं चल सका। 2 जुलाई को एक परिचित से जानकारी मिलने के बाद मामला और गंभीर हो गया। परिचित ने विप्लव को अकबरपुर में जमीन से जुड़े कुछ लोगों के साथ देखे जाने की बात बताई थी। प्रियंका वर्मा ने शिकायत में बताया कि उनके पति के नाम अलग-अलग 11 गाटों में करीब दो बीघा जमीन दर्ज है। उनका आरोप है कि कुछ लोगों की नजर इस जमीन पर है और इसी वजह से पति के साथ कोई घटना हो सकती है। हालांकि पुलिस जांच के बाद ही यह साफ होगा कि युवक के लापता होने के पीछे वास्तविक कारण क्या है। पत्नी ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में दीप नारायण शर्मा निवासी बुढ़नपुर इब्राहिमपुर, बंटी वर्मा निवासी रावीपुर बहाउद्दीनपुर अकबरपुर, लालू यादव निवासी खपुरा अकबरपुर, राम जियावन वर्मा निवासी कैथोलिया इब्राहिमपुर, भोले उर्फ मजनू राजभर निवासी निझावां इब्राहिमपुर और मंटू वर्मा उर्फ प्रिंस वर्मा का नाम दिया है।

आवास सूची में कटे नामों से बढ़ी बेचैनी पात्र परिवारों ने उठाई जांच की मांग

सर्वे में शामिल थे नाम, अंतिम सूची से हुए गायब

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जहांगीरगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत कल्याणपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता सूची को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रारंभिक सर्वे में पात्र पाए गए कई परिवारों के नाम अंतिम सूची से हटा दिए गए। नाम कटने के बाद ग्रामीणों ने मामले की जांच कराने की मांग उठाई है।

ग्रामीणों का कहना है कि सर्वे के दौरान उन्हें आवास योजना का लाभ मिलने की उम्मीद जगी थी। कई परिवारों ने बताया कि वे अब भी कच्चे और खपरैल मकानों में रहने को मजबूर हैं। इसके बावजूद अंतिम सूची में उनका नाम शामिल नहीं किया गया।

इन परिवारों का कहना है कि अगर वे योजना की पात्रता पूरी करते हैं तो उनका नाम सूची से हटने का कारण स्पष्ट किया जाना चाहिए। ग्राम सचिव ने बताया कि वर्तमान पात्रता सूची में 13 लाभार्थियों के नाम शामिल हैं। अन्य नामों को लेकर ग्रामीणों की ओर से आपत्ति दर्ज कराई जा रही है।

वहीं, सर्वे प्रभारी और सहायक विकास अधिकारी (समाज कल्याण) चंद्र भूषण राव ने बताया कि पात्र लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया एआई तकनीक के माध्यम से कराई गई थी। उन्होंने कहा कि बाद में कुछ नाम सूची से हटे हैं, जिसकी जानकारी संबंधित स्तर से ली जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि वे इस मामले को लेकर एसडीएम आलापुर के पास शिकायत दर्ज कराएंगे। उनकी मांग है कि पात्र परिवारों का दोबारा सत्यापन कराया जाए और जिन लोगों को वास्तव में आवास की जरूरत है, उन्हें योजना का लाभ दिया जाए।

सूची बदली तो सामने आई नाराजगी

ग्रामीणों के अनुसार, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए तैयार की गई प्रारंभिक सूची में कई जरूरतमंद परिवारों के नाम दर्ज थे। बाद में जारी अंतिम सूची में कुछ नाम गायब मिले। ग्रामीणों ने रामधारी गौतम, संगीता मौर्य, रीता गौतम, प्रियंका तिवारी, गीता कनौजिया, जिलेखा कनौजिया, दिव्यांग श्रीकांत यादव और सुमन सहित कई परिवारों का नाम हटने की बात कही है।

2027 तक बाल श्रम मुक्त होगा अम्बेडकरनगर

श्रमिक योजनाओं की रफ्तार पर नजर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में श्रमिक कल्याण योजनाओं और बाल श्रम उन्मूलन अभियान को लेकर प्रशासन ने समीक्षा तेज कर दी है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला श्रम बंधु समिति, बाल श्रम उन्मूलन समिति, जिला टास्क फोर्स और बंधुआ श्रम सतर्कता समिति की संयुक्त बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की। बैठक में श्रमिकों से जुड़ी योजनाओं, पंजीकरण, श्रम कानूनों के पालन और बाल श्रम रोकने के लिए चल रहे अभियानों की स्थिति पर चर्चा हुई। अधिकारियों को योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और लंबित कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में वर्ष 2027 तक जिले को बाल श्रम मुक्त बनाने के लक्ष्य पर विशेष चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बाल श्रम रोकने के लिए नियमित जांच अभियान चलाए जाएं। बंधुआ श्रम से जुड़े मामलों में भी प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। समीक्षा में सामने आया कि जिले में अब तक 1,42,906 श्रमिक पंजीकृत हो चुके हैं। चालू वित्तीय वर्ष में 2,037 नए श्रमिकों को भी जोड़ा गया है। श्रमिक कल्याण योजनाओं के तहत मिले 136 आवेदनों में से 125 का निस्तारण किया जा चुका है। 11 आवेदन अभी प्रक्रिया में हैं। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 990 अधिष्ठानों के पंजीकरण का लक्ष्य रखा गया है।

इन रास्तों पर रहेगी नजर मुख्यमंत्री की जनसभा को लेकर पुलिस ने बनाया सुरक्षा घेरा

गोविंद साहब धाम जाने से पहले पढ़ लें नया ट्रैफिक प्लान

> बसों और छोटे वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग व्यवस्था

> चार पहिया और दो पहिया वाहनों के लिए अलग व्यवस्था की गई है। मालीपुर की ओर से आने वाले वाहन रुस्तमपुर से दाईं ओर मुड़कर दाऊतपुर स्थित सुनील सिंह की बाग के पास पार्क किए जाएंगे।

तमसा संकेत, संवाददाता

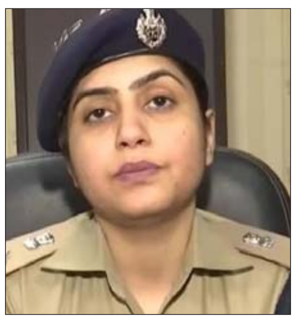

अम्बेडकरनगर। गोविंद साहब धाम में 7 अगस्त को प्रस्तावित मुख्यमंत्री की जनसभा को लेकर जिले की यातायात व्यवस्था बदल दी गई है। पुलिस ने कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने वाले वाहनों के लिए रूट और पार्किंग की नई व्यवस्था जारी की है। जनसभा के दौरान भीड़ और वाहनों के दबाव को देखते हुए अलग-अलग मार्गों से आने वाले वाहनों को तय स्थानों पर रोका जाएगा। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बताया कि यह व्यवस्था केवल जनसभा के दिन प्रभावी रहेगी। लोगों से अपील की गई है कि वे निर्धारित मार्गों और पार्किंग स्थलों का ही इस्तेमाल करें। आलापुर, जहांगीरगंज, टांडा और बसखारी की ओर से आने वाले छोटे वाहन न्यौरी फ्लाईओवर के नीचे से जलालपुर रोड होते हुए रुस्तमपुर पहुंचेंगे। यहां से बाईं ओर मुड़कर दाऊतपुर स्थित पार्किंग स्थल पर वाहन खड़े किए जाएंगे।

बसों का ठहराव अमोला बुजुर्ग में

आलापुर और जहांगीरगंज की ओर से आने वाली बसें न्यौरी फ्लाईओवर के नीचे से होकर जलालपुर रोड स्थित अमोला बुजुर्ग में पार्क की जाएंगी।

मालीपुर और जलालपुर से आने वाली बसों के लिए भी अमोला बुजुर्ग में ही पार्किंग तय की गई है। वहीं अकबरपुर, बसखारी और टांडा की ओर से आने वाली बसें भी न्यौरी फ्लाईओवर के रास्ते अमोला बुजुर्ग पहुंचेंगी। आजमगढ़ से आने वाली बसों को भी इसी स्थान पर खड़ा कराया जाएगा।

अमड़ी टोल प्लाजा से हेलीपैड तक जाने वाले मार्ग को केवल आकस्मिक स्थिति के लिए सुरक्षित रखा जाएगा। इस मार्ग का सामान्य आवागमन के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा। पुलिस और प्रशासनिक वाहनों की पार्किंग ग्रामीण बैंक, लोहा मंडी में रहेगी। वहीं वीआईपी और वीवीआईपी वाहनों के लिए कोतवाली मेला गोविंद साहब के पास पार्किंग व्यवस्था की गई है।

पुलिस ने लोगों से यातायात कर्मियों के निर्देशों का पालन करने और निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि व्यवस्था का उद्देश्य जनसभा के दौरान आवागमन को सुचारु बनाए रखना है।

कटोखर में 'नल' की राह में अटकी जल जीवन मिशन योजना

पाइपलाइन बिछी, टंकी का ढांचा खड़ा लेकिन पानी की सप्लाई शुरू नहीं

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। हंसवर थाना क्षेत्र के रामनगर ब्लॉक की ग्राम सभा कटोखर में जल जीवन मिशन की पेयजल योजना लंबे इंतजार के बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। गांव में घर-घर पानी पहुंचाने का सपना अभी अधूरा है। योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा हो चुका है, लेकिन पानी की टंकी स्थापित नहीं होने से आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई है।

गांव में तैयार खड़ा टंकी का ढांचा अब परियोजना की अधूरी कहानी बता रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें उम्मीद थी कि जल्द ही घरों तक नल से पानी पहुंचने लगेगा, लेकिन कई महीने बीतने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

कटोखर गांव में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल परियोजना का काम शुरू किया गया था। योजना का उद्देश्य ग्रामीणों को घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना था। इसके लिए गांव में पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा कर लिया गया। इसके बाद पानी की टंकी के लिए ढांचा भी तैयार किया गया, लेकिन टंकी लगाने का काम आगे नहीं बढ़ सका। यही वजह है कि पूरी जलापूर्ति व्यवस्था शुरू नहीं हो पाई। ग्रामीणों के अनुसार, विभाग की ओर से सितंबर 2025 तक घर-घर पानी पहुंचाने का लक्ष्य बताया गया था। समय सीमा बीतने के बाद भी योजना चालू नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि पाइपलाइन बिछ जाने के बाद उन्हें लगा था कि अब पेयजल की समस्या खत्म हो जाएगी, लेकिन अभी भी उन्हें पुराने साधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। ग्राम सचिव गंगाराम गुप्ता ने बताया कि परियोजना का निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है। जल जीवन मिशन की ओर से योजना को ग्राम पंचायत को अभी तक हस्तांतरित नहीं किया गया है। हैंडओवर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही जलापूर्ति शुरू की जा सकेगी।

उन्होंने बताया कि अधूरे कार्यों के पूरा होने के बाद ही ग्रामीणों को योजना का लाभ मिल पाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल जीवन मिशन के लंबित कार्यों को जल्द पूरा कराया जाए। उनका कहना है कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए योजना का जल्द संचालन जरूरी है।

बीएनकेबी पीजी कॉलेज में नवप्रवेशी छात्रों का अभिन्यास कार्यक्रम

शैक्षणिक माहौल और सुविधाओं से कराया परिचय

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। बीएनकेबी पीजी कॉलेज, अकबरपुर में बुधवार को बीए प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी छात्रों के लिए अभिन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, नियमों, उपलब्ध सुविधाओं और विभिन्न गतिविधियों से परिचित कराना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. शुचिता पांडेय ने की। उन्होंने नवप्रवेशी छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को विकसित करने का भी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को बीए पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों का गंभीरता से अध्ययन करने और नियमित रूप से शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ पांडेय ने कहा कि किसी भी महाविद्यालय की मजबूती उसके पांच प्रमुख स्तंभों—प्रबंधन समिति, प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थियों—के बेहतर समन्वय पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि अभिन्यास कार्यक्रम नए छात्रों को महाविद्यालय की कार्यप्रणाली समझने और नए वातावरण में सहज होने का अवसर देता है। उन्होंने छात्रों से नियमित उपस्थिति, अनुशासन और निरंतर अध्ययन को प्राथमिकता देने की अपील की। भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कमल कुमार त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को जिज्ञासु बने रहने और सीखने की निरंतर आदत विकसित करने पर जोर दिया।

मंजूरी : अम्बेडकरनगर में 14वीं वाहिनी की स्थापना की तैयारी तेज

बेवाना में सीआईएसएफ का नया ठिकाना

तमसा संकेत, संवाददाता

> प्रस्तावित सीआईएसएफ 14वीं रिजर्व बटालियन में करीब 1025 जवानों की तैनाती होगी। यह बल जिले और आसपास के क्षेत्रों में विकसित होने वाले प्रमुख औद्योगिक संस्थानों की सुरक्षा में भूमिका निभाएगा।

अम्बेडकरनगर। जिले में सुरक्षा और औद्योगिक विस्तार से जुड़ी एक बड़ी परियोजना अब जमीन पर उतरने की ओर बढ़ गई है। अकबरपुर तहसील के बेवाना क्षेत्र में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की 14वीं वाहिनी स्थापित करने का रास्ता साफ हो गया है। उत्तर प्रदेश शासन ने बटालियन के लिए प्रस्तावित भूमि खरीद को लेकर 22.50 करोड़ रुपये की प्रशासकीय और वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी है। बजट मंजूर होने के बाद अब जिला प्रशासन भूमि खरीद और अन्य प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाएगा। बेवाना में सीआईएसएफ बटालियन स्थापित करने की योजना पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे परियोजना के समय से चल रही थी। करीब सात वर्षों से इसके लिए जमीन चयन की प्रक्रिया जारी थी। सितंबर 2025 में अकबरपुर से करीब 10 किलोमीटर दूर बेवाना क्षेत्र में 49.99 एकड़ भूमि का प्रस्ताव तैयार किया गया था। इसे पुलिस मुख्यालय के माध्यम से शासन को भेजा गया था। अब शासन की स्वीकृति मिलने के बाद परियोजना के अगले चरण की तैयारी शुरू होगी। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जुड़ाव होने के कारण बटालियन के संचालन और आवागमन में भी सुविधा मिलेगी। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किनारे लखनऊ से गाजीपुर तक औद्योगिक कॉरिडोर और लॉजिस्टिक क्लस्टर विकसित करने की योजना पर काम चल रहा है। अम्बेडकरनगर के जलालपुर और बेवाना क्षेत्र में भी औद्योगिक परियोजनाओं के लिए जमीन की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

20.2330 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा परिसर

शासन के आदेश के अनुसार ग्राम बेवाना तहसील अकबरपुर में 20.2330 हेक्टेयर यानी करीब 49.99 एकड़ भूमि खरीदी जाएगी। इसके लिए स्वीकृत 22.50 करोड़ रुपये जिला प्रशासन के सिविल डिपॉजिट खाते में जमा कराए जाएंगे।

यह धनराशि वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट से उपलब्ध कराई जाएगी और इसका उपयोग 31 मार्च 2027 तक किया जाना है।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बताया कि भूमि खरीद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए तहसील स्तर के अधिकारियों के साथ जल्द बैठक की जाएगी।

साढ़े सात फीट रास्ते की जमीन बनी विवाद की वजह

केशवपुर में भिड़े दो पक्ष, मारपीट का वीडियो वायरल

तमसा संकेत, संवाददाता

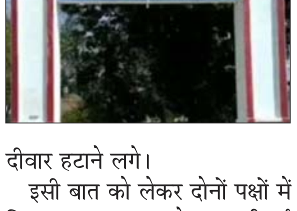

अम्बेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के केशवपुर गांव में रास्ते की जमीन को लेकर चल रहा पुराना विवाद मंगलवार को फिर सामने आ गया। निर्माण कार्य के दौरान दो पक्ष आमने-सामने आ गए और मारपीट हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि गांव निवासी अनिल तिवारी और अमितेश के बीच रास्ते को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। मामले में पहले थाने पर दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया गया था।

आरोप है कि समझौते के बाद अनिल तिवारी अपनी साढ़े सात फीट जमीन छोड़कर अपने हिस्से में निर्माण करा रहे थे। इसी दौरान अमितेश कुछ अन्य लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माणाधीन दीवार हटाने लगे।

इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया। पहले कहासुनी हुई और फिर मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इस दौरान धारदार हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

घटना के समय मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरी घटना को मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो में दोनों पक्षों के बीच हाथापाई होती दिखाई दे रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। सूचना मिलते ही सम्मनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

सम्पादकीय

बहस के बजाय हंगामा

लोकसभा और राज्यसभा में शोर-शराबे के बीच जिस तरह विधेयक प्रस्तुत एवं पारित हो रहे हैं, उससे संसदीय चर्चा के गिरते स्तर का ही पता चलता है। संसद में हंगामा करके विपक्ष अपना ही नहीं, देश का भी नुकसान कर रहा है, क्योंकि जनता को पता ही नहीं चल पा रहा है कि जो विधेयक बिना किसी बहस के पारित हो रहे हैं, उनके गुण-दोष क्या हैं और उनसे उसे क्या हासिल होने वाला है?

यह सामान्य बात नहीं कि पेपर लीक विरोधी कानून में संशोधन वाले विधेयक पर तो संसद में चर्चा हुई, लेकिन अन्य अनेक विधेयकों के मामले में विपक्ष ने इसकी नौबत ही नहीं आने दी। विपक्ष हंगामा करने में व्यस्त है और सरकार लोकसभा और राज्यसभा से विधेयक पारित कराने में। संसद में विचार-विमर्श के स्थान पर हंगामा करके विपक्ष एक तरह से सत्तापक्ष का काम ही आसान कर रहा है।

वह सरकार को जवाबदेह बनाने के अवसर अपने हाथों गंवा रहा है। आखिर किसी भी सरकार के लिए इससे सुविधा-जनक और क्या होगा कि उससे जनहित के मुद्दों और महत्वपूर्ण विधेयकों के प्रविधानों पर कुछ पूछा ही न जाए? जब विपक्ष के लिए यह चिंता का विषय बनना चाहिए कि सरकार अपना विधायी काम आसानी से पूरा कर ले रही है, तब वह हंगामा करके खुश है।

यह नकारात्मक राजनीति की पराकाष्ठा ही नहीं, अपने संसदीय दायित्वों से मुंह मोड़ने वाला आचरण है। ऐसा लगता है कि विपक्षी दल इस नतीजे पर पहुंच गए हैं कि अब किसी मुद्दे पर कोई सार्थक बहस करने से बेहतर है हंगामा करना। यह एक तरह से संसद का निरादर है।

विपक्ष इस निष्कर्ष पर भी पहुंच गया लगता है कि बात-बात पर मंत्री के इस्तीफे की मांग करके वह अपनी गंभीरता प्रदर्शित करने में सफल हो जा रहा है। सच यह है कि यह गैर-जिम्मे-दाराना रवैया है, क्योंकि संसद का दायित्व राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर चर्चा करना और देश को दिशा देना है।

संसद है ही इसीलिए कि वह जनहित के विषयों पर चर्चा करे और यदि सरकार किसी मुद्दे पर बहस से बचती दिखे, तो उसे इसके लिए विवश करे। बीते कुछ दिनों से विपक्ष राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को लेकर गृह मंत्री के त्यागपत्र की मांग यह जानते हुए भी करने में लगा हुआ है कि इस मामले से उनका कोई लेना-देना नहीं। विपक्षी दल इतने नादान नहीं हो सकते कि यह न जानते हों कि धार्मिक स्थलों में दान की चोरी होती रहती है और इस समस्या का समाधान किसी मंत्री के इस्तीफे की मांग करने से नहीं होने वाला। इसके बाद भी वे राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में गृह मंत्री का त्यागपत्र चाह रहे हैं। कल को यदि किसी मठ, मंदिर, चर्च, मस्जिद आदि में दान की चोरी का मामला सामने आता है तो क्या वे फिर से गृह मंत्री का त्यागपत्र मांगेंगे?

आधुनिक और आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों से बदल रही प्रदेश की तस्वीर

गाजियाबाद की ग्राम पंचायत कुशलिया ने प्रस्तुत किया विकास का अनुकरणीय मॉडल

> प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे इन एकीकृत प्रयासों के परिणामस्वरूप राज्य की अनेक ग्राम पंचायतों ने राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त कर पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के सर्वांगीण विकास हेतु ग्रामीण स्वायत्तता एवं ग्राम पंचायतों के समग्र सशक्तीकरण को प्राथमिक आधार मानते हुए निरंतर निर्णायक कदम उठाए जा रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी के 'ग्राम स्वराज' और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को व्यावहारिक धरातल पर साकार करने के उद्देश्य से प्रदेश की 57,000 से अधिक ग्राम पंचायतों को आधुनिक, सक्षम और आत्मनिर्भर इकाइयों के रूप में विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार की नीतिगत प्राथमिकताओं में यह स्पष्ट रूप से निहित है कि जब तक ग्रामीण क्षेत्र प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी रूप से सुदृढ़ नहीं होंगे, तब तक प्रदेश को सर्वोत्तम अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसी दिशा में बहुआयामी कार्ययोजनाओं को धरातल पर उतारा गया है, जिससे ग्रामीण शासन व्यवस्था में अभूतपूर्व पारदर्शिता और गतिशीलता आई है। प्रदेश में लागू की गई इन विकासपरक नीतियों और जमीनी सशक्तीकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण जनपद गाजियाबाद के विकास खंड रजापुर स्थित ग्राम पंचायत कुशलिया है। ग्राम पंचायत कुशलिया ने ग्रामीण विकास एवं जन-कल्याण के क्षेत्र में नवाचार, पारदर्शिता और जन-भागीदारी को आधार बनाकर एक आदर्श मॉडल पंचायत के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन, डिजिटल सेवाओं की सुगम उपलब्धता, जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन तथा आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास से इस ग्राम पंचायत ने ग्रामीणों को उनके जीवन स्तर में गुणात्मक परिवर्तन प्रदान किया है। आज यह पंचायत पूरे राज्य में ग्रामीण परिदृश्य को आधुनिकता के सांचे में परिवर्तित करने का एक मॉडल प्रारूप बन गई।

ग्रामीण सशक्तिकरण और विकास की कड़ी में, प्रदेश भर में स्थापित 'पंचायत सचिवालय' ग्रामीण सशक्तीकरण के केंद्र में एक ऐतिहासिक और दूरगामी पहल सिद्ध हुए हैं। प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त पंचायत भवन सह सचिवालय का निर्माण कराया गया है। इन सचिवालयों में पंचायत सहायकों और कंप्यूटर ऑपरेटरों की तैनाती के साथ जन-सेवा केंद्रों (सीएससी) का सफल एकीकरण किया गया है। ग्राम पंचायत कुशलिया में भी पंचायत सचिवालय के माध्यम से जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड तथा फैमिली आईडी जैसी आवश्यक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त आयुष्मान कार्ड, पैन कार्ड तथा वृद्धावस्था, दिव्यांग एवं विधवा पेंशन जैसी महत्वपूर्ण डिजिटल शासकीय सेवाएं गांव के भीतर ही सुलभ कराई जा रही हैं। इससे ग्रामीणों को अब तहसील या जिला मुख्यालयों के चक्कर लगाने से पूर्ण रूप से मुक्ति मिल गई है, जिससे उनके बहुमूल्य समय और धन की बचत सुनिश्चित हो रही है।

शिक्षा और बौद्धिक विकास को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्राप्त अनुदान राशि का अत्यंत सार्थक उपयोग किया गया है। इसके तहत ग्राम पंचायत कुशलिया में एक अत्याधुनिक डिजिटल पुस्तकालय का निर्माण कराया गया है। यह नव-निर्मित पुस्तकालय विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा वर्ग एवं स्थानीय पाठकों के लिए ज्ञान और अध्ययन का मुख्य केंद्र बनकर उभरा है। डिजिटल संसाधनों और उच्च स्तरीय पाठ्य सामग्री से युक्त इस केंद्र ने ग्रामीण अंचल में एक बेहतरीन शैक्षणिक माहौल को सुदृढ़ किया है। डिजिटल गवर्नेंस के राष्ट्रव्यापी विस्तार को गति प्रदान करते हुए प्रदेश में 'ई-ग्राम स्वराज पोर्टल' तथा 'पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम' (पीएफएमएस) को पूर्ण रूप से प्रभावी बनाया गया है। इन प्रणालियों के माध्यम से विकास योजनाओं के निर्माण से लेकर धन के हस्तांतरण और अंतिम भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया शत-प्रतिशत ऑनलाइन और पारदर्शी हो चुकी है।

सरकारी परियोजनाओं की सघन निगरानी हेतु अब जीपीएस-टैग फोटो और जियो-टैगिंग जैसी आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। इस तकनीकी हस्तक्षेप से विकास कार्यों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। इसके साथ ही, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने और वित्तीय स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए पंचायतों को अपने स्तर पर राजस्व संग्रह के अधिकार प्रदान किए गए हैं।

ग्राम पंचायत कुशलिया ने अपनी स्वयं की आय (ओन सोर्स रेवेन्यू) में वृद्धि का एक अनूठा और अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया है। पंचायत में जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण की एक व्यवस्थित प्रणाली लागू की गई है। इस प्रणाली से जहां एक ओर गांव में पूर्ण स्वच्छता सुनिश्चित हो रही है, वहीं दूसरी ओर उपयोगकर्ता शुल्क के रूप में पंचायत की आय में निरंतर वृद्धि हो रही है।

इस प्रकार प्राप्त हो रहे राजस्व का शत-प्रतिशत पुनर्निवेश स्थानीय विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं को गति देने में किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, सामुदायिक शौचालयों के निर्माण और रोस्टर के अनुसार गांव की सड़कों तथा नालियों की नियमित सफाई व्यवस्था से संक्रामक बीमारियों की रोकथाम संभव हुई है, जिससे एक अत्यंत स्वच्छ वातावरण का निर्माण हुआ है। पर्यावरण संरक्षण और जल संचयन की दिशा में भी ग्राम पंचायत कुशलिया का कार्य उत्कृष्ट श्रेणी का है। जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए गांव के तालाबों में गंदे पानी के प्रवेश को रोकने हेतु वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित प्रभावी फिल्टर चैंबरों का निर्माण कराया गया है। केंद्र सरकार की अत्यंत महत्वाकांक्षी 'अमृत सरोवर योजना' के अंतर्गत स्थानीय तालाबों का वृहद स्तर पर पुनरुद्धार कर उनकी जल संचयन क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। इस सुनियोजित प्रयास से स्थानीय भूजल स्तर में भारी सुधार दर्ज किया गया है। पर्यावरण संतुलन को दीर्घकाल तक बनाए रखने के लिए गांव में व्यापक स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाए गए हैं और वृक्षों के संरक्षण पर विशेष बल दिया जा रहा है।

डॉ0 सीमा गुप्ता

पंचामृत योजना का...

लखनऊ पंचामृत योजना से उत्तर प्रदेश को मिली नई उड़ान

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के समग्र और संतुलित विकास को गति देने के लिए ₹पंचामृत योजना₹ एक व्यापक और दूरदर्शी अवधारणा के रूप में प्रस्तुत की गई है। इस योजना का उद्देश्य विकास के विभिन्न आयामोंकृकृषि, बुनियादी ढांचा, औद्योगिक विकास, सामाजिक कल्याण और सुशासनकृको एक साथ जोड़कर राज्य को प्रगति के नए पथ पर अग्रसर करना है। ₹पंचामृत₹ का अर्थ है पाँच ऐसे महत्त्वपूर्ण तत्व, जो मिलकर समाज के समग्र उत्थान का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इसी विचार के आधार पर उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के विकास को पाँच प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित करते हुए इस योजना को लागू करने का प्रयास किया है।

पंचामृत योजना का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास केवल शहरों तक सीमित न रहकर गाँवों और दूरदराज के क्षेत्रों तक भी पहुँचे। उत्तर प्रदेश एक विशाल और विविधतापूर्ण राज्य है, जहाँ बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और कृषि पर निर्भर है। ऐसे में विकास की रणनीति भी व्यापक और समावेशी होनी चाहिए। पंचामृत योजना इसी समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो राज्य के हर वर्ग और क्षेत्र को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इस योजना के अंतर्गत पहला प्रमुख स्तंभ कृषि और किसान कल्याण है। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आधार कृषि है, और राज्य की बड़ी आबादी इससे जुड़ी हुई है। इसलिए किसानों की आय बढ़ाना, आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देना और कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना इस योजना का प्रमुख लक्ष्य है। इसके तहत सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, उन्नत बीजों का उपयोग, कृषि यंत्रीकरण और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही, किसानों को बाजार तक बेहतर पहुँच प्रदान करने और उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए विभिन्न योजनाएँ लागू की जा रही है।

दूसरा महत्त्वपूर्ण स्तंभ बुनियादी ढांचे का विकास है। किसी भी राज्य के विकास के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर अत्यंत आवश्यक होता है। उत्तर प्रदेश में सड़कों, एक्सप्रेस-वे, रेल नेटवर्क, हवाई अड्डों और बिजली आपूर्ति के क्षेत्र में तेजी से काम किया जा रहा है। इससे न केवल लोगों की आवाजाही आसान हुई है, बल्कि व्यापार और उद्योग को भी बढ़ावा मिला है। बेहतर बुनियादी ढांचा निवेश को आकर्षित करता है और रोजगार के अवसरों को बढ़ाता है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। तीसरा स्तंभ औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन है। पंचामृत योजना के तहत राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न नीतियाँ बनाई गई है और औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (डैडम्) को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। इसके साथ ही, स्टार्टअप्स और नवाचार को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे युवा उद्यमिता को प्रोत्साहन मिल रहा है।

चौथा स्तंभ सामाजिक विकास और कल्याण से जुड़ा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सुधार इस योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इस परिवर्तन...

प्रवीण मालवीय

2300 मेगावॉट रूफटॉप सोलर विद्युत उत्पादन क्षमता के साथ, देश में दूसरे स्थान पर पहुंचा उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व, प्रभावी नीतियों और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के हरित एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को गति देने के संकल्प का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। बढ़ती बिजली की मांग को स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा से पूरा करने की दिशा में प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आज उत्तर प्रदेश लगभग 6.70 लाख संयंत्र स्थापित करते हुए 2300 मेगावॉट की रूफटॉप सोलर क्षमता के साथ देश में दूसरे स्थान पर पहुंच चुका है। प्रदेश की यह उपलब्धि केवल आंकड़ों की सफलता नहीं, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भ-रता, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी पर आधारित विकास मॉडल की मिसाल है। मुख्यमंत्री जी ने सत्ता संभालने के बाद ऊर्जा क्षेत्र को विकास का आधार बनाया। एक ओर प्रदेश में रिकॉर्ड बिजली उत्पादन और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की गई, तो दूसरी ओर भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सौर ऊर्जा को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया गया। सरकार ने ऐसी नीतियां बनाई जिनसे आम नागरिक भी ऊर्जा उत्पादन में सहभागी बन सके। इसी सोच का परिणाम है कि आज लाखों परिवार अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर न केवल स्वयं की बिजली की जरूरत पूरी कर रहे हैं, बल्कि बिजली बिल में भी बड़ी बचत कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में रूफटॉप सोलर को लेकर लोगों का बढ़ता विश्वास इस बात का प्रमाण है कि सरकार की योजनाएं प्रभावी ढंग से जमीन पर उतर रही हैं। पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया, सरल आवेदन व्यवस्था, समयबद्ध स्वीकृति, केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी तथा तकनीकी सहायता ने इस अभियान को जनआंदोलन का रूप दे दिया है। प्रदेश सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि सौर ऊर्जा केवल बड़े उद्योगों तक सीमित न रहे, बल्कि हर घर तक पहुंचे।

इस परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण राजधानी लखनऊ है, जिसने पूरे प्रदेश में सौर ऊर्जा अपनाने का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। आज लखनऊ में 1.23 लाख से अधिक घरों में रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। इनकी कुल स्थापित क्षमता लगभग 426 मेगावॉट है, जो प्रदेश में सर्वाधिक है। प्रदेश की राजधानी ने स्वच्छ ऊर्जा अपना कर पूरे प्रदेश का मार्गदर्शन किया है। रूफटाप सोलर लखनऊ ही नहीं, बल्कि धार्मिक नगरी वाराणसी और औद्योगिक नगर कानपुर भी इस हरित क्रांति में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। वाराणसी में लगभग 163 मेगावॉट तथा कानपुर में 147 मेगावॉट क्षमता के रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा के प्रति जागरूकता लगातार बढ़ रही है और लोग पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी की योजनाबद्ध कार्यशैली का प्रभाव प्रदेश के सभी विद्युत वितरण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अंतर्गत आने वाले जिलों में रूफटॉप सोलर की क्षमता 931 मेगावॉट तक पहुंच चुकी है, जो पूरे प्रदेश में सर्वाधिक है।

समय व्यतीत करना

समय बड़ा बलवान होता है।वह जो बीत गया वो वापिस लौट कर नहीं आता हैं । हम जन्म-लेते हैं । हमारे जब कुछ समझ आती है तो उस समय हम उचित कार्य यह सोच कर टाल देते हैं कि भविष्य में वह काम कर लेंगे। समय अपनी गति से चलता रहता है।वह जो कार्य जिस समय हमको करना चाहिये उसे नहीं करके हम नादानी में समय उजुल-फ़िज़ूल बातों में नष्ट कर देते हैं।वह जब समय दस्तक देता है तब याद आता है कि जिस कार्य को हम्हें बहुत पहले करना था वो समय तो हमने नष्ट कर दिया।उस समय यह मुहावरा याद आता है कि ,अब पछताये तो क्या होगा,जब चिड़िया चुग गयी खेत । एक घटना प्रसंग एक नगर के एक छोटे से स्कूल में एक लड़का, मनोज पढ़ता था। मनोज के परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं थी । अतः मनोज के कपड़े भी पुराने थे, जूते फटे हुए थे, और वह अक्सर अपनी पढ़ाई में पीछे रह जाता था । उसको साथ में पढ़ने वाले बच्चे चिढ़ाते और मास्टर जी भी उसे डांटते। एक दिन स्कूल में एक नई शिक्षिका अनिता मैडम आईं। उन्होंने मनोज से पूछा कि तुम्हारा जीवन में सबसे बड़ा सपना क्या है? तो मनोज ने कहा मैडम, मुझे लगता है कि मैं कुछ नहीं कर सकता। अनिता मैडम यह सुनकर मुस्कुराईं और बोलीं ऐसे नहीं सोचते है तो वह बोला कैसे ? तो मैडम बोली हर इंसान के अंदर एक खास गुण होता है। वह अगर तुम सकारात्मकता से सही सोचोगे लक्ष्य की तरफ बढ़ोगे और मेहनत करोगे तो तुम्हारे जीवन भी कुछ भी असंभव नहीं है । वह तुमको जीवन के लक्ष्य अगर सोने नहीं देते हैं तो समझना तुम सही राह पर हो और उन्होंने मनोज को हर दिन स्कूल में कुछ नया सीखने और खुद पर विश्वास करने के लिए प्रेरित किया। धीरे-धीरे मनोज ने अपनी पढ़ाई में ध्यान देना शुरू किया। वह हर समस्या का हल ढूंढ़ने की कोशिश करता और अपने कमजोर विषयों पर ज्यादा मेहनत करता।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

पुराणों के अनुसार ...

आचार्य पंडित उत्कर्ष तिवारी

श्रावण मास में भगवान शिव की उपासना का महत्व एवं कामना के अनुसार पूजन का शास्त्रीय विधान

सनातन धर्म में श्रावण मास भगवान शिव का सर्वाधिक प्रिय एवं पुण्यदायी मास माना गया है। इस पावन मास में श्रद्धा, भक्ति और विधि-विधानपूर्वक भगवान शिव की आराधना करने से साधक को आध्यात्मिक उन्नति, मानसिक शांति, उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु तथा समस्त पापों एवं कष्टों से मुक्ति की प्राप्ति होती है। श्रावण केवल एक मास नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, तप, संयम, सेवा और शिवभक्ति का दिव्य पर्व है।

पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकले कालकूट (हलाहल) विष को सम्पूर्ण सृष्टि की रक्षा हेतु भगवान शिव ने अपने कण्ठ में धारण किया। विष की तीव्र उष्णता को शांत करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। तभी से श्रावण मास में शिवलिंग पर जल, दुग्ध, गंगाजल, बिल्वपत्र, धतूरा, पुष्प एवं अन्य पूजन सामग्रियों का अर्पण अत्यंत पुण्यदायक एवं शिवप्रिय माना जाता है।

शास्त्रों में कहा गया है—

शिवं पूजयते नित्यं श्रावणे भक्तितत्परः।
तस्य पापानि नश्यन्ति शिवलोकं स गच्छति॥

अर्थात् जो भक्त श्रावण मास में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ भगवान शिव की नित्य पूजा करता है, उसके समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं तथा उसे भगवान शिव की कृपा एवं परम कल्याण की प्राप्ति होती है।

श्रावण मास में रुद्राभिषेक, जलाभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र जप, पंचाक्षरी मंत्र ₹ॐ नमः शिवाय₹ का जप, सोमवार व्रत तथा शिवपुराण का श्रवण विशेष फलदायी माना गया है। भगवान शिव आशुतोष हैं, अर्थात् वे अल्प उपासना से भी शीघ्र प्रसन्न होकर अपने भक्तों की मनोका-मनाएँ पूर्ण करते हैं।

कामना के अनुसार भगवान शिव की उपासना

शिवमहापुराण के शिवपूजा-विधान (अध्याय 14) में विभिन्न इच्छाओं की पूर्ति के लिए पुष्प, पत्र, अन्न तथा पार्थिव शिवलिंग पूजन का विशेष विधान बताया गया है।

पुष्प एवं पत्रों से प्राप्त होने वाले फल

- कमल, बिल्वपत्र, कुशपुष्प एवं शंखपुष्पी से पूजन करने पर धन-लाभ होता है।
- एक लाख पुष्पों से शिवार्चन करने पर स्थिर एवं प्रचुर लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।
- दस करोड़ पार्थिव शिवलिंगों के पूजन से राज्य एवं सर्वोच्च ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
- शंखपुष्पी से पूजन करने पर इस लोक एवं परलोक की समस्त कामनाएँ पूर्ण होती हैं।
- एक लाख पार्थिव शिवलिंग पूजन से कारावास से मुक्ति प्राप्त होती है।
- पचास हजार पार्थिव शिवलिंग पूजन से रोगों से मुक्ति मिलती है।
- पच्चीस हजार पार्थिव शिवलिंग पूजन से कन्या-प्राप्ति का फल मिलता है।
- दूर्वा अर्पित करने से दीर्घायु प्राप्त होती है।
- धतूरा के पुष्प एवं फल अर्पित करने से पुत्र-प्राप्ति का फल मिलता है।
- अगस्त्य पुष्प से महान यश एवं कीर्ति प्राप्त होती है।
- तुलसी से पूजन करने पर सुख-भोग एवं मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- श्वेत मदार अर्पित करने से प्रताप एवं प्रभाव में वृद्धि होती है।
- गुड़हल (अड़उल) के पुष्प से शत्रुओं का नाश होता है।
- कनेर के पुष्प से रोग-शांति एवं उच्चाटन का फल प्राप्त होता है।
- गुलदुपहरिया के पुष्प से आभूषणों की प्राप्ति होती है।
- चमेली के पुष्प से वाहन-सुख प्राप्त होता है।
- अलसी के पुष्प अर्पित करने से भगवान विष्णु की भक्ति प्राप्त होती है।
- शमी-पत्र से पूजन करने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- मल्लिका (मोगरा) के पुष्प से योग्य जीवनसंगिनी की प्राप्ति होती है।
- जूही के पुष्प से धान्य एवं अन्न की वृद्धि होती है।
- हरसिंगार (पारिजात) के पुष्प से सुख एवं समृद्धि प्राप्त होती है।

अन्न अर्पण का फल

- अक्षत (अखंड चावल) — धन की वृद्धि।
- तिल — महापापों का नाश।
- जौ — स्वर्ग की प्राप्ति।
- गेहूँ — संतान-वृद्धि।
- मूंग — सुख एवं समृद्धि।
- सरसों — शत्रुओं का नाश।
- अरहर के पत्ते — विविध प्रकार के सुखों की प्राप्ति।

विशेष सावधानी

शास्त्रों में वर्णित है कि केवड़ा एवं चम्पा के पुष्प भगवान शिव को अर्पित नहीं किए जाते, जबकि इनके अतिरिक्त अधिकांश सुगंधित पुष्प भगवान शिव को समर्पित किए जा सकते हैं।

श्रावण मास आत्मकल्याण, लोककल्याण और शिवकृपा प्राप्त करने का सर्वोत्तम अवसर है। यदि श्रद्धा, विश्वास और शास्त्रीय विधि से भगवान शिव की उपासना की जाए तो साधक के जीवन में आध्यात्मिक उन्नति के साथ-साथ सुख, समृद्धि, आरोग्य एवं मनोवांछित सिद्धियों का मार्ग प्रशस्त होता है। अतः प्रत्येक शिवभक्त को इस पावन मास का सदुपयोग करते हुए नित्य शिवपूजन, रुद्राभिषेक, मंत्रजप तथा धर्ममय जीवन का संकल्प अवश्य लेना चाहिए।

योगी सरकार का हर पात्र महिला को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने के लिए घर-घर अभियान शुरू

चलाया जाएगा 'परिवार संतृप्तिकरण अभियान'

निर्देश

- विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती
- सभी पात्र स्वयं सहायता समूहों के तत्काल खुलवाए जाएंगे बैंक खाते

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का मेगा प्लान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में योगी सरकार ने प्रदेशव्यापी 'परिवार संतृप्तिकरण अभियान' शुरू किया है। 5 अगस्त से 20 अगस्त तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत गांव-गांव, घर-घर जाकर ऐसे पात्र परिवारों की पहचान की जाएगी, जो अभी तक स्वयं सहायता समूहों या ग्रामीण आजीविका मिशन से नहीं जुड़े हैं। अभियान का उद्देश्य हर पात्र महिला को स्वरोजगार, बैंकिंग सुविधाओं और सरकारी योजनाओं से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

परिवार संतृप्तिकरण अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र परिवार सरकारी योजनाओं, स्वयं सहायता समूहों और आजीविका के संसाधनों से वंचित न रहे।

> अभियान के दौरान विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर नोडल अधिकारी घर-घर जाकर सर्वे करेंगे और ऐसे परिवारों की पहचान करेंगे, जहां महिलाएं अभी स्वयं सहायता समूहों का हिस्सा नहीं हैं। सर्वे के आधार पर उन्हें समूहों से जोड़ा जाएगा ताकि वे बचत, ऋण, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकें।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई रफ्तार

जब अधिक से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ेंगी तो गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। छोटे-छोटे घरेलू उद्योग, कृषि आधारित गतिविधियां, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प और अन्य स्वरोजगार के माध्यम विकसित होंगे। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और महिलाओं की आय में भी वृद्धि होगी।

योगी सरकार चाहती है कि प्रत्येक पात्र महिला को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर उसकी आय बढ़ाई जाए और ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनाया जाए। ग्रामीण आजीविका मिशन प्रदेश में महिला सशक्तीकरण का मजबूत आधार बन चुका है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 10 लाख 10 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे एक करोड़ 19 लाख से अधिक परिवार जुड़े हुए हैं। इन समूहों ने ग्रामीण महिलाओं को केवल बचत और ऋण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें उद्यमी बनने का अवसर भी दिया है।

स्वयं सहायता समूहों के बैंक खाते भी खुलेंगे

योगी सरकार ने अभियान के दौरान सभी पात्र स्वयं सहायता समूहों के बैंक खाते तत्काल खुलवाने के निर्देश दिए हैं। इससे समूहों को सरकारी वित्तीय सहायता, बैंक ऋण और अन्य योजनाओं का लाभ सीधे मिल सकेगा। बैंकिंग सुविधाओं से जुड़ने के बाद ग्रामीण महिलाओं के लिए छोटे उद्यम शुरू करना और आर्थिक गतिविधियों का विस्तार करना आसान होगा।

पराविधिक स्वयं सेवकों द्वारा जन जागरूकता चलाया जा रहा अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार दिनांक 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के पराविधिक स्वयं सेवकों द्वारा जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ श्री मलखान सिंह के मार्गदर्शन में तथा राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी श्री प्रकाश तिवारी के निर्देशन में जनपद की दीवानी न्यायालय परिसर, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, पारिवारिक न्यायालय, कामर्शियल कोर्ट, भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण, समस्त तहसीलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पराविधिक स्वयं सेवकों द्वारा जागरूकता शिविर के माध्यम से लोक अदालत संबंधी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है जिससे अधिक से अधिक वादकारी राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ प्राप्त कर सकें।

राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी, वैवाहिक, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बैंक ऋण वसूली, श्रम, विद्युत, राजस्व, पारिवारिक, चेक बाउंस, प्री-लिटिगेशन, आरबीट्रेशन तथा अन्य सुलह योग्य वादों का निस्तारण आपसी समझौते के आधार पर किया जाएगा। लोक अदालत द्वारा पारित निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होता है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में डॉक्टर की पत्नी फंदे से लटकी मिलीं

लखनऊ । लखनऊ में मंगलवार शाम करीब 4 बजे सीतापुर से ड्यूटी कर घर लौटे स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सहायक को उनकी पत्नी कमरे में फंदे से लटकी मिलीं। उन्होंने काफी देर तक दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद उन्होंने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा। कमरे के अंदर उनकी पत्नी पंखे से फंदे के सहारे लटकी मिलीं।

50 साल के व्यक्ति को महिला ने 35 चप्पल जड़े

लखनऊ । लखनऊ में छेड़खानी के विरोध में 38 साल की महिला ने 50 साल के व्यक्ति को डेढ़ मिनट में 35 से ज्यादा चप्पल जड़े। वह भागने लगा तो उसे करीब 500 मीटर तक दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। मौके पर भीड़ जुट गई। आरोपी ने महिला से हाथ जोड़कर माफी मांगी। इस पर महिला ने उसे माफ कर दिया और पुलिस से शिकायत नहीं की। घटना बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे कैसरबाग थाना क्षेत्र के लालबाग में हुई। घटना का वीडियो सामने आया है। महिला ने कहा कि वह अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करना चाहती हैं। लेकिन वह चाहती हैं कि महिलाओं के साथ अभद्रता करने वालों का तत्काल विरोध होना चाहिए।

एलडीए रिश्वत कांड में बाराबंकी में वसूली हुई नाकाम

लखनऊ । एलडीए के 7.5 लाख रुपए के रिश्वत कांड की जांच में नया खुलासा हुआ है। विजिलेंस और एलडीए से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कथित बिचौलिया श्रवण कुमार पहले से एनआरआई कारोबारी जितेंद्र नारायण को निशाना बना रहा था। सूत्रों के अनुसार, बाराबंकी में निर्माण कार्य के दौरान कारोबारी से वसूली की कोशिश की गई थी, लेकिन यह सफल नहीं हुई।

लखनऊ में ऐतिहासिक धरोहरों पर शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। भारतीय संस्कृति एवं विरासत से युवा पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से कल मंगलवार को इतिहास संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संचालित यूथ लीडरशिप प्रोग्राम की श्रृंखला के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय, लखनऊ के सहयोग से निदेशालय सभागार में रेजिडेंसी, छतर मंजिल एवं फरहत बख्श पर आधारित एक शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालक एवं बालिका विद्यालय, मोहान रोड, लखनऊ एवं विद्याज्ञान स्कूल, सीतापुर के लगभग 100 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक श्रीमती रेनू द्विवेदी ने विद्यार्थियों से स्थानीय विरासत, संग्रहालयों एवं ऐतिहासिक स्मारकों को निकट से जानने-समझने तथा उनके संरक्षण में सहभागी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अपनी सांस्कृतिक धरोहरों से जुड़कर ही नई पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास और पहचान को सुदृढ़ बना सकती है। मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र यादव, अधीक्षण पुरातत्वविद्, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, लखनऊ सर्किल ने कहा कि अपनी जड़ों और पूर्वजों से जुड़ाव हमारी सांस्कृतिक पहचान का आधार है। उन्होंने किस्सागोई को विरासत और इतिहास को समझने का प्रभावी माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों को अपने परिवार के बुजुर्गों से स्थानीय इतिहास एवं परंपराओं को जानने और संरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया। इतिहास संस्थान, नई दिल्ली की ओर से सुश्री शिवानी, सुश्री सुयशा एवं सुश्री तीशा ने विद्यार्थियों को लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहरों के महत्व एवं संरक्षण से संबंधित रोचक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

4 महीने में 12.27% अधिक राजस्व, जुलाई में 16.04% की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

आबकारी विभाग का नया कीर्तिमान

बढ़ोतरी

तमसा संकेत, संवाददाता

- 4 माह में 20,862 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व
- योगी सरकार में अवैध शराब के खिलाफ व्यापक अभियान, 819 आरोपितों को भेजा गया जेल

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का आबकारी विभाग राजस्व संग्रह और अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई, दोनों मोर्चों पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में विभाग ने 20,862.42 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2,279.23 करोड़ रुपये यानी 12.27 प्रतिशत अधिक है। अकेले जुलाई महीने में विभाग ने 5,052.86 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया, जो पिछले वर्ष के जुलाई की तुलना में 16.04 प्रतिशत अधिक रहा। इस दौरान 4,673 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 819 आरोपियों को जेल भेजा गया तथा तस्करी में प्रयुक्त 30 वाहन जब्त किए गए। जुलाई में भी 9,769 अभियोग दर्ज कर 1,704 लोगों की गिरफ्तारी कर 271 को जेल भेजा गया।

819 आरोपियों को भेजा गया जेल

आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह ने बताया कि राजस्व वृद्धि के साथ-साथ अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर भी सख्त कार्रवाई जारी है। अप्रैल से जून 2026 के दौरान 29,294 अभियोग दर्ज कर अवैध मदिरा एवं मादक पदार्थ बरामद किए गए।

71,278 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य निर्धारित

आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार की पारदर्शी नीतियों, प्रभावी निगरानी और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था के कारण विभाग लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में आबकारी विभाग के लिए 71,278 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे हासिल करने के लिए विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। सरकार का उद्देश्य केवल राजस्व बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखना भी है।

योगी सरकार प्रदेश के सभी जिलों में शत-प्रतिशत लक्ष्य पाने के लिए अभियान की गति कर रही तेज

योगी सरकार की किसान रजिस्ट्री में बड़ी उपलब्धि

- 85.19 प्रतिशत लक्ष्य पूरा, 2.45 करोड़ से अधिक किसान पंजीकृत
- गाजियाबाद और रामपुर जनपद ने 100 फीसदी लक्ष्य किया हासिल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाया जा रहा किसान रजिस्ट्री अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश ने किसान रजिस्ट्री की प्रगति में राष्ट्रीय स्तर पर 10वां स्थान हासिल किया है। प्रदेश ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 85.19 प्रतिशत पूरा कर लिया है, जबकि शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए अब 14.81 प्रतिशत कार्य शेष है। विभाग की समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश अब राष्ट्रीय रैंकिंग में नौवें स्थान के बेहद करीब है और अभियान को तेज गति से पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। किसान रजिस्ट्री अभियान में गाजियाबाद और रामपुर ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 100 प्रतिशत पंजीकरण पूरा कर प्रदेश के अन्य जिलों के लिए मिसाल पेश की है। इसके अलावा अंश निर्धारण की प्रगति में झांसी और हरदोई शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जिलों में शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में अंश निर्धारण का कार्य भी तेजी से चल रहा है और इसकी प्रगति 88.92 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। इससे भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण, किसान पहचान की सटीकता तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

समयबद्ध लक्ष्य के लिए बढ़ानी होगी रफ्तार

समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार यदि अभियान को 29 अगस्त 2026 तक पूरा करना है तो प्रतिदिन लगभग 1,42,522 किसानों का पंजीकरण करना होगा। वहीं 29 सितंबर 2026 तक लक्ष्य पूरा करने के लिए प्रतिदिन 71,261 और 29 अक्टूबर 2026 तक पूरा करने के लिए प्रतिदिन 47,507 किसानों का पंजीकरण आवश्यक होगा।

2.45 करोड़ से अधिक किसानों का हुआ पंजीकरण

दरअसल, भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश के लिए 2,88,70,495 किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके सापेक्ष अब तक 2,45,94,831 किसानों का सफल पंजीकरण किया जा चुका है। यानी लक्ष्य का 85.19 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। वर्तमान में 42,75,664 किसानों का पंजीकरण शेष है, जिसे जल्द पूरा करने के लिए अभियान को और गति दी जा रही है।

लखनऊ में महिला की संदिग्ध हालत में मौत

दुबग्गा। पारा थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष ने पति, सास-ससुर समेत सात लोगों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। आजमगढ़ निवासी हबीबुर रहमान ने पारा थाने में दर्ज कराई गई तहरीर में बताया कि उसकी 25 वर्षीय बहन नैय्यबा खातून का निकाह 22 फरवरी 2025 को पारा क्षेत्र की जनता विहार कॉलोनी फेज-2, सलेमपुर पटौरा निवासी अब्दुल रहमान खान से हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति, सास, ससुर और अन्य ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसका लगातार मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न करते थे। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। तहरीर के अनुसार, ससुराल पक्ष ने कारोबार के लिए रुपये की मांग की थी। बेटी का घर बसाने की उम्मीद में मृतका की मां ने 12 अक्टूबर 2025 को दो लाख रुपये चेक और तीन लाख रुपये नकद दिए थे।

'हर घर तिरंगा अभियान 2026' का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

- हर घर तिरंगा अभियान को प्रदेशव्यापी बनाते हुए इसे जनआंदोलन एंव राष्ट्रगौरव का प्रतीक बनाया जाए-जयवीर सिंह

लखनऊ । प्रदेश के समस्त जनपदों में 09 से 17 अगस्त, 2026 के बीच "हर घर तिरंगा अभियान-2026" का आयोजन किया जाएगा। इस हेतु अपर मुख्य सचिव पर्यटन एवं संस्कृति की ओर से समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, उ0प्र0 शासन तथा समस्त जिलाधिकारियों को विस्तृत दिशा निर्देश जारी करा दिए गए है। जिला स्तर पर इस आयोजन हेतु कार्यक्रम का समन्वय संबंधित जिलाधिकारी द्वारा किया जाएगा। जारी शासनादेश में हर घर तिरंगा अभियान-2026 को चरणबद्ध रूप से आयोजन के निर्देश दिए गए है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण 06 अगस्त से 08 अगस्त, 2026 के दौरान स्कूलों की दीवारों और बोर्डों को तिरंगा से प्रेरित कलाकृतियां सजायी जाएगी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप मुख्य कार्यक्रम शैक्षणिक, संस्थानों, सरकारी भवनों, शॉपिंग मॉल, रेलवेस्टेशन, हवाई अड्डा, बस अड्डा, सार्वजनिक उद्यान आदि चिन्हित स्थानों पर किया जाएगा। इसके अलावा स्कूलों, कालेजों और सार्वजनिक स्थानों आदि पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

आयोजन : उत्तर प्रदेश लगभग 38.8 मिलियन मिट्रिक टन दुग्ध उत्पादन के साथ देश में प्रथम स्थान पर

नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत 2.25 लाख रोजगार सृजित हुए

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। दुग्धशाला विकास विभाग की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज प्रदेश के सभी 75 जनपदों में दुग्धशाला विकास विभाग एवं पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जनपदीय स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव-2026 का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ तथा दुग्धशाला विकास विभाग मुख्यालय से दुग्ध आयुक्त श्रीमती धनलक्ष्मी के0 का संबोधन एवं विभागीय योजनाओं से सम्बन्धित विडियो को वेब लिंक के माध्यम से प्रसारित किया गया।

कान्क्लेव को संबोधित करते हुए दुग्ध आयुक्त ने कहा कि वर्ष 2024-25 में भारत लगभग 248 मिलियन मैट्रिक टन दुग्ध उत्पादन के साथ विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, जिसमें उत्तर प्रदेश लगभग 38.8 मिलियन मिट्रिक टन दुग्ध उत्पादन एवं लगभग 16 प्रतिशत योगदान के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तीकरण, रोजगार सृजन एवं किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम है।

आधुनिक डेयरी तकनीकों वैज्ञानिक पशुपालन, पशु स्वास्थ्य, संतुलित पशु आहार तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई

दुग्धशाला विकास विभाग की स्वर्ण जयंती वर्ष पर प्रदेश के सभी जनपदों में जनपदीय स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव - 2026 का आयोजन किया गया

कार्यक्रम में पूरे प्रदेश में 2100 नव चयनित मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-सवंर्धन योजना, 1500 से अधिक मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना तथा 450 से अधिक नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के लाभार्थियों को चयन पत्र वितरित किये गये

उन्होंने बताया कि नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं से कुल 17,994 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है तथा 4,951 प्रारम्भिक दुग्ध सहकारी समितियों के गठन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 2.25 लाख रोजगार सृजित हुए हैं।

समितियों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की

कॉन्क्लेव में जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन के अधिकारियों, पशुपालन एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों, दुग्ध संघों के प्रतिनिधियों, प्रगतिशील दुग्ध उत्पादक किसानों, पशुपालकों, स्वयं सहायता समूहों तथा दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विभागीय अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने आधुनिक डेयरी तकनीकों वैज्ञानिक पशुपालन, पशु स्वास्थ्य, संतुलित पशु आहार तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी।

दुग्ध आयुक्त ने सभी हितधारकों से विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने, आधुनिक एवं वैज्ञानिक पशुपालन तकनीकों को अपनाने तथा प्रदेश के डेयरी क्षेत्र को और अधिक समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

अभिभावकों की सहमति से तैयार की जा रही डिजिटल आईडी

एक संस्थान से दूसरे संस्थान में प्रवेश प्रक्रिया होगी सुगम

- विधान परिषद में 'अपार आईडी' योजना पर बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने रखा सरकार का पक्ष
- 12 डिजिट की अपार आईडी से छात्र-छात्राओं के सभी शैक्षिक प्रपत्र जीवन भर रहेंगे सुरक्षित और डिजिटली वेरीफाइड

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के मानसून सत्र-2026 के तृतीय दिवस सदन की कार्यवाही में सहभाग करते हुए प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सरकार का पक्ष रखा तथा सार्थक चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याण, सुशासन एवं समग्र विकास के संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। विधान परिषद में चर्चा के दौरान बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा बच्चों के शैक्षणिक रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण करने और उनके समस्त दस्तावेजों को एक ही स्थान पर सुरक्षित रखने के लिए एक पारदर्शी व्यवस्था बनाई गई है। इस संबंध में भारत सरकार द्वारा छात्रों के हित में 'अपार (APAAR) आईडी' योजना का शुभारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक बच्चे के लिए 12 डिजिट की एक यूनिक आईडी बनाई जाती है। यह डिजिटल आईडी बच्चे के लिए जीवन भर उपयोगी साबित होगी, जिससे उसके सभी शैक्षिक प्रपत्र डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेंगे और किसी भी शैक्षणिक संस्थान में जाने पर तत्काल डिजिटल वेरिफिकेशन संभव हो सकेगा। इससे छात्र-छात्राओं के एक संस्थान से दूसरे संस्थान में स्थानांतरण एवं प्रवेश की प्रक्रिया भी बेहद सुलभ होगी।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे पर टोल नहीं लगेगा

4700 करोड़ में बना, बार-बार धंसने के बाद एनएचएआई ने कहा- ठीक होने तक टैक्स नहीं लेंगे

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे पर टोल टैक्स पर रोक लगा दी गई है। बारिश में सड़क बार-बार धंसने के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने बुधवार को यह फैसला लिया। NHAI ने कहा- एक्सप्रेस-वे पूरी तरह ठीक होने तक टोल नहीं लिया जाएगा। अभी तक एक्सप्रेस-वे पर लखनऊ से कानपुर तक फोर व्हीलर (कार) से 290 रुपए का टैक्स एक तरफ से वसूला जाता था। NHAI ने एक्सप्रेस-वे बनाने वाली कंपनी को नॉन-परफॉर्मर घोषित कर दिया है। अब कंपनी को NHAI की ओर से कोई नया काम नहीं मिलेगा। साथ ही प्रोजेक्ट मैनेजर और 2 इंजीनियरों को भी हटा दिया है। 63 किमी लंबा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे 4,700 करोड़ रुपए की लागत से बना है। 23 दिन पहले 13 जुलाई को इसका उद्घाटन हुआ था। एक्सप्रेस-वे को आगरा की PNC कंपनी ने बनाया है। PNC के मालिक भाजपा के राज्यसभा सांसद नवीन जैन के भाई प्रदीप जैन हैं। एक्सप्रेस-वे पर दोपहिया वाहनों की एंट्री नहीं है। इस पर वाहन अधिकतम 120 kmph की रफ्तार से दौड़ सकते हैं। टोल प्लाजा से 500 मीटर पहले लगे ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (ANPR) कैमरे और फास्टैग रीडर बिना गाड़ी रोके अपने आप टोल काट लेते हैं। अगर हादसा होता है, तो AI कैमरे NHAI कंट्रोल रूम को अलर्ट भेजते हैं।

एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास 5 जनवरी, 2022 को किया गया था। 13 जुलाई को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी ने इसका उद्घाटन किया। इस हिसाब से एक्सप्रेस-वे 1,650 दिन में बनकर तैयार हुआ। यह देश का पहला बैरियर-लेस एक्सप्रेस-वे है।

'एक्सप्रेस-वे की गड़बड़ियां ठीक करने में 3 करोड़ लगेंगे'

NHAI के रीजनल अफसर गौतम विशाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- एक्सप्रेस-वे की गड़बड़ियां ठीक करने में करीब 3 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसका खर्च भी कंपनी को ही उठाना होगा। 26 जुलाई को एक्सप्रेस-वे के किमी 64 के पास स्लिपेज मिला था। इसे तुरंत ठीक कराया गया। जहां भी ऐसी शिकायत मिली, वहां लगातार सुधार कराया गया। उन्होंने बताया, 'PNC कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर विवेक कुमार गुप्ता, इंजीनियर सुरेंद्र कुमार और रेजिडेंट इंजीनियर यतेंद्र कुमार को भी परियोजना से हटा दिया गया है। इन्हें अगले 2 साल तक NHAI के किसी भी प्रोजेक्ट में शामिल नहीं किया जाएगा। वहीं, NHAI की ओर से प्रोजेक्ट मैनेजर रहे नकुल प्रकाश वर्मा को भी उनके मूल विभाग में वापस भेज दिया गया है। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे के निर्माण के दौरान सौरभ चौरसिया भी प्रोजेक्ट मैनेजर रहे थे। लापरवाही के मामले में दोनों लोगों को नोटिस जारी किया गया है।'

NHAI के रीजनल मैनेजर गौतम विशाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

अमीर बनने के लिए अफसर की बेटी ठग बनी

लोन दिलाकर हड़पी रकम, डायरी में लिखती थी- मैं अरबपति बनूंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। 'मैं गरिमा सिंह, अप्रैल 2026 तक अरबपति बनूंगी। यह मेरा लक्ष्य है। मेरे सभी लोन अप्रैल से मई तक खत्म हो जाएंगे। अप्रैल से मई तक मेरा लक्ष्य 100 करोड़ रुपए कमाना है। गरिमा सिंह करोड़पति है। धन्यवाद भगवान।' ये लाइनें गोरखपुर के स्टेशन अधीक्षक की बेटी गरिमा सिंह ने डायरी में लिखीं। करोड़पति बनने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए गरिमा ने लोन दिलाने और उसे माफ कराने के नाम पर 10 से अधिक लोगों से 3.67 करोड़ रुपए ठग लिए। 3 जुलाई (सोमवार) को गोरखपुर एम्स थाने की पुलिस ने गरिमा सिंह और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गरिमा के पास से एक डायरी बरामद की है। इसमें वह रोज अपने करोड़पति बनने के लक्ष्य को लिखती थी। एम्स थाना क्षेत्र के महादेवी झारखंडी कॉलोनी के रहने वाले ध्रुव नारायण सिंह सहजनवां में रेलवे स्टेशन अधीक्षक हैं। उन्होंने अपनी बेटी गरिमा सिंह की शादी साल-2020 में कुशीनगर के सुकरौली के भानू प्रताप सिंह से की थी। भानू प्रताप ठेकेदारी करता था। गरिमा का एक बेटा 3 साल का और दूसरा 3 महीने का है।

ठेकेदारी का काम कमजोर हुआ, तो भानू 2 साल पहले पिता के साथ अपने ससुर के मकान में आकर रहने लगा। ध्रुव नारायण सिंह ने बताया कि बेटी को अमीर बनने का शुरू से शौक था। ऐसे में उसने ठगी करने की प्लानिंग की।

फास्ट न्यूज

भाजयुमो अध्यक्ष बोले- जेन जी की गलती नहीं

कानपुर। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा ने आगामी चुनाव और Gen Z पर खुलकर बात की। उन्होंने हाल ही में दिल्ली में हुए Gen Z के प्रदर्शन पर कहा- गलती उनकी नहीं है। गलती परिवार की है। संस्कारों का है। उन्होंने कहा- वो तो मेरे छोटे-भाई बहन हैं। हमारे प्रधानमंत्री ने भी कहा कि हम उनको माफ करते हैं। इस तरह के ढेर सारे अब वीडियो आ रहे हैं जिसमें वो स्वयं माफी मांग रहे हैं।

मर्चेंट नेवी अफसर के शव को भाई ने तिरंगा ओढ़ाया

कानपुर। यूक्रेन के ड्रोन अटैक में जान गंवाने वाले मर्चेंट नेवी अफसर सागर गुप्ता का पार्थिव शरीर 18 दिन बाद बुधवार शाम 4 बजे कानपुर लाया गया। शव देखते ही पत्नी शालू और मां रामादेवी ताबूत से लिपटकर रोते हुए बेसुध हो गईं। परिवार में चीख-पुकार मच गई। भतीजी लक्ष्मी, भाभी ज्योति और बड़ी बहन पूजा फूट-फूटकर रोने लगीं। बड़े भाई ने सागर को शहीद बताया। आंखों में आंसू लिए उन्होंने कहा- हमने अपने भाई के लिए, सरकार से तिरंगा मांगा था। वह भी नहीं मिला। इसलिए, बाजार से खरीदकर लाया हूं।

सिकंदरा सब्जी मंडी में 1 करोड़ की चोरी

आगरा। आगरा के सिकंदरा स्थित सब्जी मंडी में एक आढ़ती ने अपनी दुकान से करीब एक करोड़ रुपये नकद चोरी होने का दावा किया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। डीसीपी सिटी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। हालांकि शुरुआती जांच में पुलिस को मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। ऐसे में पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

नोएडा में कंपनी में आग लगी, 2 फायरकर्मियों की मौत

आग बुझाते वक्त दीवार गिरी, 500 लोगों को सुरक्षित निकाला

तमसा संकेत, एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रॉनिक चिप बनाने वाली कंपनी में लगी आग बुझाने गए फायर ब्रिगेड के 2 जवानों की मौत हो गई। मंगलवार तड़के 3 बजे आग की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और SDRF की टीमें मौके पर पहुंचीं। फायरकर्मियों ने सबसे पहले कंपनी में नाइट शिफ्ट कर रहे 500 कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद जब टीम आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही थी, तभी कंपनी की एक दीवार और लोहे का बीम अचानक भरभराकर गिर गया। 5 फायरकर्मी मलबे में दब गए। सभी को तुरंत रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। तीन अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। घटना ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र की 'ILGIM' कंपनी की है। ईकोटेक-3 स्थित ILGIM कंपनी में करीब 1500 कर्मचारी काम करते हैं। मंगलवार तड़के कंपनी से आग की ऊंची-ऊंची लपटें और धुएं का गुबार उठने लगा। उस वक्त नाइट शिफ्ट में करीब 500 कर्मचारी काम कर रहे थे। आग लगते ही कंपनी में अफरा-तफरी मच गई। कई कर्मचारी अंदर फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई। फायरकर्मियों ने आग बुझाने के साथ-साथ कंपनी में फंसे कर्मचारियों को बाहर निकालने का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

मुरादाबाद कमिश्नर की कोर्ट में ढाई घंटे चली सुनवाई, 38 भवनों को गिराने पर लगी रोक

जौहर यूनिवर्सिटी पर अभी नहीं चलेगा बुलडोजर

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों पर कोर्ट में केस रहने तक बुलडोजर नहीं चलेगा। यह आदेश कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह की कोर्ट ने सोमवार शाम 4:45 बजे दिया। कोर्ट में करीब ढाई घंटे तक सुनवाई चली। अगली सुनवाई के लिए अगली तारीख 10 अगस्त तय की गई है। इससे पहले 27 जुलाई को कमिश्नर कोर्ट में सुनवाई हुई थी। तब रामपुर विकास प्राधिकरण (RDA) के उपाध्यक्ष एवं जिलाधिकारी के जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगा दी गई थी। अगले दिन सुनवाई की अगली तारीख 3 अगस्त तय की गई थी। बता दें, RDA के उपाध्यक्ष के आदेश के खिलाफ यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट ने कमिश्नर कोर्ट में 20 जुलाई को अपील दायर की थी। इस पर 28 जुलाई को सुनवाई होनी थी। लेकिन, मुरादाबाद में अधिवक्ता की मृत्यु के चलते 28 जुलाई को शोक घोषित कर दिया गया था। इसके चलते 27 जुलाई को यूनिवर्सिटी के वकील जुनैद एजाज ने एक दिन पहले ही सुनवाई के लिए कमिश्नर कोर्ट में अर्जी लगाई थी। अर्जी पर सुनवाई करते हुए कमिश्नर ने ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगा दी थी।

RDA के उपाध्यक्ष अजय कुमार द्विवेदी ने 15 जुलाई को आदेश जारी कर जौहर यूनिवर्सिटी की 40 में से 38 इमारतों को अवैध घोषित करते हुए उन्हें गिराने के निर्देश दिए थे। RDA का कहना है कि

जौहर यूनिवर्सिटी के वकील जुनैद एजाज ने बताया कि आज पौने दो घंटे सुनवाई हुई। इसके बाद यूनिवर्सिटी गिराने के पर रोक लगा दी गई।

सरकारी वकील दिनेश चौहान ने बताया- आज मामले में दोनों पक्षों ने अपने-अपने तर्क कोर्ट के सामने रखे। यूनिवर्सिटी की ओर से उनके वकील ने अपना पक्ष रखा। राज्य सरकार की ओर से मैंने पक्ष रखा। सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फिलहाल कोई आदेश पारित नहीं किया है। अब आगे क्या होगा, यह पूरी तरह कोर्ट के फैसले पर निर्भर करेगा।

जौहर ट्रस्ट ने आदेश को दी है चुनौती

जौहर यूनिवर्सिटी के वकील जुनैद एजाज ने बताया- रामपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी (RDA) ने 15 जुलाई को डिमॉलिशन ऑर्डर जारी किया था। इसके खिलाफ कमिश्नर कोर्ट में अपील दायर की गई है। सोमवार को अपील पर करीब पौने दो घंटे सुनवाई हुई। जिसमें दोनों पक्षों को विस्तार से सुना गया। सुनवाई के बाद मामला आदेश के लिए सुरक्षित रख लिया गया है। कमिश्नर ने मौखिक रूप से कहा है कि जब तक अपील लंबित रहेगी, तब तक कोई ध्वस्तीकरण नहीं किया जाएगा। अपील में उठाए गए बिंदुओं पर मंडलायुक्त ने RDA से जवाब मांगा है। साथ ही जरूरत पड़ने पर यूनिवर्सिटी से नक्शा समेत अन्य दस्तावेज भी तलब किए जा सकते हैं।

जौहर ट्रस्ट ने केवल 2 इमारतों का नक्शा पास कराया था। बाकी 38 इमारतों के निर्माण के लिए नक्शे पास नहीं कराए थे।

तकनीकी प्रयास से दिल्ली क्षेत्र में रेल परिचालन की विश्वसनीयता और गतिशीलता में हुआ सुधार

ओवरहेड उपकरण (ओएचई) डेड ज़ोन की समस्या का समाधान

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि हासिल करते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली मण्डल में डफरिन ब्रिज तथा पुल मिठाई के नीचे स्थित ओवरहेड उपकरण (ओएचई) के डेड ज़ोन में विद्युत लोकोमोटिव के रुक जाने की लंबे समय से चली आ रही परिचालन संबंधी समस्या का सफलतापूर्वक समाधान कर लिया है। इस उपलब्धि से रेल परिचालन की विश्वसनीयता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कई वर्षों से ये दोनों स्थान एक विशेष परिचालन चुनौती बने हुए थे। पुलों के नीचे सीमित हेडरूम के कारण इन स्थानों पर 50 मीटर से अधिक लंबे ओएचई डेड ज़ोन बनाए गए थे। इन डेड ज़ोन से गुजरते समय कई बार विद्युत लोकोमोटिव की विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती थी, जिससे वे बीच में ही रुक जाते थे। इसके परिणा-मस्वरूप ट्रेनों के संचालन में विलंब होता था तथा देश के सबसे व्यस्त रेल मार्गों में से एक पर परिचालन प्रभावित होता था। जांच में यह पाया गया कि वैक्यूम सर्किट ब्रेकर (वीसीबी) की स्विचिंग के दौरान उत्पन्न होने वाले वोल्टेज सर्ज, सीसीबी 2.0 ब्रेकिंग प्रणाली से युक्त लोकोमोटिव में अनपेक्षित रूप से आपातकालीन ब्रेक लगने का कारण बन रहे थे। इन निष्कर्षों के आधार पर केबीआईएल ने इलेक्ट्रॉनिक विजिलेंस कंट्रोलर (ईवीसी) के उन्नत सॉफ्टवेयर का विकास किया, जिससे इस समस्या का प्रभावी समाधान हो पाया।

शेष लोकोमोटिव में भी केबीआईएल की टीमों द्वारा विभिन्न लोको शेडों में चरणबद्ध तरीके से यह उन्नयन किया जा रहा है। यह उपलब्धि उत्तर रेलवे की डेटा-आधारित इंजीनियरिंग, निरंतर समस्या-समाधान तथा सुधारात्मक उपायों के त्वरित क्रियान्वयन की प्रभावी कार्यप्रणाली को दर्शाती है। रेलवे इंजीनियरों, आरडीएसओ तथा उद्योग साझेदारों के बीच घनिष्ठ समन्वय और व्यवस्थित तकनीकी जांच के माध्यम से उत्तर रेलवे ने लंबे समय से चली आ रही इस परिचालन चुनौती का स्थायी तकनीकी समाधान विकसित किया है।

इस समस्या की गंभीरता को देखते हुए उत्तर रेलवे ने अप्रैल 2026 में मिशन मोड में इस समस्या के मूल कारण की पहचान कर उसका स्थायी समाधान करने का कार्य प्रारंभ किया। इस दिशा में उत्तर रेलवे ने अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) तथा नॉर-ब्रेमसे इंडिया लिमिटेड (केबीआईएल) के साथ मिलकर विस्तृत तकनीकी जांच और मूल कारण का विश्लेषण किया।

रेल परिचालन की विश्वसनीयता में उल्लेखनीय सुधार हुआ

इस समस्या के सफल समाधान से रेल परिचालन की विश्वसनीयता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, ट्रेनों के ठहराव में कमी आई है, समयपालन बेहतर हुआ है तथा दिल्ली क्षेत्र में विद्युत रेल परिचालन की गतिशीलता में वृद्धि हुई है। यह उपलब्धि यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने तथा सतत तकनीकी नवाचार के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित करती है।

यह उन्नत सॉफ्टवेयर भारतीय रेल के 600 से अधिक विद्युत लोकोमोटिव में स्थापित किया जा चुका है। जिन लोकोमोटिव में यह सॉफ्टवेयर स्थापित किया गया है, उनमें इस प्रकार की समस्या दोबारा सामने नहीं आई है, जिससे इस समाधान की प्रभावशीलता सिद्ध हुई है।

मेरठ में 3 कांवड़ियों को कंटेनर ने रौंदा, मौत

बाइक से गंगाजल लेने दिल्ली से हरिद्वार जा रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ, बागपत, सहारनपुर, बरेली। मेरठ में बुधवार तड़के 4:30 बजे तेज रफ्तार कंटेनर ने तीन कांवड़ियों को रौंद दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। तीनों कांवड़िए उछलकर 10 मीटर दूर सड़क पर जा गिरे। हादसा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर भोजपुर के पास हुआ। तीनों बाइक से हरिद्वार गंगाजल लेने जा रहे थे। मृतकों की पहचान अलीगढ़ के प्रदीप, राजकुमार और ज्ञान प्रकाश के रूप में हुई है। इधर, सावन माह शुरू होने के साथ ही कांवड़ यात्रा भी चरम पर है। यूपी की सड़कों पर इसके अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। कोई एलियन बनकर यात्रा कर रहा है, तो कोई अपने माता-पिता या घर के बुजुर्ग को कांवड़ में बैठाकर कंधे पर लेकर निकला है। दिल्ली के कांवड़िए अरुण कुमार अपने भाई की हत्या के बाद उन्हें न्याय दिलाने की मांग को लेकर कांवड़ यात्रा कर रहे हैं। मुजफ्फरनगर में उन्होंने कहा, "हम अपने भाई को न्याय दिलाने के लिए कांवड़ लेकर आए हैं। उसकी याद पूरी जिंदगी रहेगी, लेकिन हम चाहते हैं कि उसे न्याय मिले और आरोपियों का एनकाउंटर हो।" वहीं, एलियन का रूप धारण कर कांवड़ यात्रा कर रहे दिल्ली के किशन घोष ने कहा, जल लेकर लौटते समय कई बार कांवड़ियों के चेहरों पर मायूसी दिखती है।

पृष्ठ 01 का शेष...

पीएम मोदी की पोस्ट...

दरअसल, सरकार पीएम मोदी का वीडियो फेसबुक से हटाने से भी नाराज थी। मोदी ने 23 जुलाई को यह वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पेपर लीक को बड़ी समस्या बताया था। उन्होंने ऐसे मामलों की जल्द सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की भी बात कही थी। यह वीडियो कुछ समय के लिए फेसबुक से हटा दिया गया था। बाद में मेटा ने इसे फिर से फेसबुक पर डाल दिया। मीटिंग में केवल पीएम मोदी की पोस्ट का मुद्दा ही नहीं है। मंत्रालय मेटा से वॉट्सऐप की नई यूजरनेम पॉलिसी और इंस्टाग्राम पर बच्चों से जुड़े यौन शोषण वाले कंटेंट की मौजूदगी पर जारी किए गए पुराने नोटिसों का भी ब्योरा और जवाब मांगेगा।

सरकार ने कहा...

Meta यह तय करती है कि कौन-सा कंटेंट किस यूजर तक पहुंचेगा। इसलिए कंपनी को IT Act के तहत मिलने वाली सेफ हार्बर सुरक्षा का लाभ नहीं मिलेगा। बैठक में सरकार ने Meta से CSAM, डीपफेक, वेरिफाइड अकाउंट्स की सुरक्षा, एल्गोरिदमिक पक्षपात (Algorithmic Bias) और भारतीय कानूनों के पालन को लेकर भी जवाब मांगा। सूत्रों ने कहा कि इन मुद्दों पर आगे भी Meta के अधिकारियों को फिर बुलाया जाएगा।

रांची में जंतर-मंतर...

प्रदर्शनकारी उम्मीदवारों ने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ कोई भी बातचीत सिर्फ छात्रों के बीच ही होगी। प्रदर्शनकारी उम्मीदवारों ने प्रस्ताव पर विचार-विमर्श करने के लिए 2 घंटे का समय मांगा है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी समेत कई भाजपा के विधायक जयपाल सिंह मुंडा भी स्टेडियम पहुंचे। यहां उन्होंने अनशन पर बैठे छात्रों से मुलाकात कर बातचीत की। उन्होंने कहा कि एजाम में भारी गड़बड़ी हुई है। जेपीएससी ने नौकरी बेचा है। मैंने आज सर्वदलीय बैठक में भी साफ कहा है कि एजाम रद्द करें। हम झारखंड के युवाओं के साथ हैं। ये मांग पूरे झारखंड की है। छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 7 अगस्त को झारखंड विधानसभा का घेराव करेंगे। ये प्रदर्शन रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 12 दिन से चल रहा है। छात्र JPSC, JSSC-CGL समेत दूसरी भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की CBI जांच, दोषियों पर कार्रवाई और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि मेरे युवा साथियों की चिंताएं हमारे लिए अत्यंत गंभीर विषय हैं।

छात्र क्यों कर रहे...

दावा किया गया कि उसने सिर्फ 48 सवाल हल किए, फिर भी वह मेंस के लिए चुन लिया गया। वहीं, रिजल्ट पर आयोग के अधिकारियों के हस्ताक्षर नहीं होने को लेकर भी सवाल उठे। विवाद बढ़ने के बाद JPSC ने मेंस परीक्षा रद्द कर दी।

यूपी विधानसभा में...

मुझे गंभीरता से विचार करना पड़ेगा कि पिछले साढ़े चार साल में जो किया, वह उचित था या अनुचित। इस कुर्सी के योग्य हूं या नहीं, इस पर भी विचार करूंगा और जल्द निर्णय लूंगा।

वहीं, सपा के हंगामे के चलते विधानसभा की कार्यवाही एक दिन पहले ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। पहले कार्यवाही गुरुवार को भी चलनी थी। इसके चलते सीएम योगी ने विधानसभा के बाहर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा- सपा का जो अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक चेहरा है, वह एक बार फिर विधानसभा सत्र के दौरान देखने को मिला। इनका यह आचरण असंवैधानिक, किसान विरोधी, युवा विरोधी, महिला विरोधी और गरीब विरोधी है।

3 दिन में सदन की कार्यवाही सिर्फ 2 घंटे ही चली। पहले दिन शोक प्रस्ताव पढ़ा गया। दूसरे दिन सपा विधायकों के हंगामे के बीच मंत्री सुरेश खन्ना ने अनुपूरक बजट पेश किया था। आज सीएम योगी विधानसभा में बोलने वाले थे, लेकिन सपा विधायकों ने हंगामा जारी रखा। इसके चलते बिना चर्चा के ही अनुपूरक बजट पारित हुआ। संभल दंगे की रिपोर्ट पेश होने के बाद विधानसभा को स्थगित कर दिया गया।

विधानसभा शुरू होने से पहले सपा विधायकों ने 6900 शिक्षक भर्ती और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर प्रदर्शन किया। सपा विधायक अतुल प्रधान दानपेटी लेकर पहुंचे। वहीं, सदन में निष्कासित सपा विधायक सचिन यादव आधा बोरा आलू लेकर विधानसभा के बाहर धरने पर बैठ रहे। उन्होंने आलू की माला भी पहन रखी थी। बगल में एक पोस्टर था, जिस लिखा था- 'किसान परेशान, सरकार उदासीन।'

दिसंबर में बांग्लादेश...

मौत की सजा, झूठे मुकदमे और दिखावटी सुनवाई मुझे डरा नहीं सकती। मेरे खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई गैरकानूनी, असंवैधानिक और राजनीतिक मकसद से प्रेरित है। हसीना ने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी इच्छा से बांग्लादेश नहीं छोड़ा था। प्रदर्शनकारियों के प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ने पर उनके पास वहां से निकलने के लिए सिर्फ 30 से 40 मिनट का समय था। तब उन्हें नहीं पता था कि वे देश छोड़कर जा रही हैं। वह अपने पैतृक गांव तुंगीपाड़ा जाने की तैयारी कर रही थीं, लेकिन हालात ऐसे बने कि देश छोड़ना पड़ा।

जंतर-मंतर...

हम शांति से चल रहे थे तो एक पुलिस अफसर ने शरीर के ऊपरी हिस्से पर मारा। हमने प्रदर्शन कर रहे कुछ युवाओं से बात की। उन्होंने बताया कि उनके साथ मारपीट की गई, धमकाया गया और दबाव बनाया गया। मुझे उन पर और देशभर के हजारों युवाओं पर गर्व है। उन्होंने संविधान, भारत के विचार और देश के भविष्य की रक्षा की है।

राहुल गांधी ने कहा कि पहले छात्रों के घर गुंडे भेजना, 15 साल की एक लड़की से जबरन माफी मंगवाना और फिर उस माफी को स्वीकार करना पूरी तरह बेतुका है। हम इसे स्वीकार नहीं करते। हम ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहते हैं जो सही तरीके से काम करे, परीक्षा पेपर लीक रुकें और देश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित रहे।

शिवाजी पार्क प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गाड़ी के सामने खड़ी हुई रिया अहीर ने कहा, मैं वो लड़की हूं, जिसने मुंबई पुलिस को रोका था। मैं कहना चाहूंगी कि मैं वो लड़की हूं, जिसने 20 बच्चों को गैर-कानूनी हिरासत में जाने से रोका था। मेरी अपील है कि कृपया नैरेटिव को बदलें। जो भी मैंने किया, उसकी वजह से मुझे बहुत परेशान किया जा रहा है।

युवाओं की बात...

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी करते हैं, तब भी उन्हें समझाने और सलाह देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उन्हें काउंसलिंग मिलनी चाहिए। अगर सरकार आक्रामक रवैया अपनाएगी, तो हालात और बिगड़ सकते हैं और हिंसा बढ़ सकती है। इससे बचना चाहिए। CJI ने कहा कि सबसे जरूरी बात शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बढ़ावा देना है। अगर कोई घटना हो भी जाती है, तो पुलिस को बहुत संयम से काम लेना चाहिए, ताकि हालात नियंत्रण से बाहर न जाएं। जहां भी ऐसी घटनाएं हों, वहां बहुत सावधानी से स्थिति संभाली चाहिए।

पीडीए में पीड़ित...

यही नहीं, बटुकों का भी अपमान किया गया। शंकराचार्य को डराने के लिए पॉक्सो एक्ट के तहत केस तक दर्ज कराया गया। हालांकि, हमें खुशी है कि वे झुके नहीं। दरअसल, समाजवादी विचारक जनेश्वर मिश्र की जयंती पर सपा ने लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में ब्राह्मण समाज के लिए एक खास कार्यक्रम आयोजित किया है। इसे 'प्रबुद्ध-जन सम्मेलन' नाम दिया गया है। इसमें प्रदेशभर से ब्राह्मण समाज से जुड़े पार्टी के नेता और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। अखिलेश यादव का इशारा डिप्टी सीएम की उस वीडियो की तरफ था, जो उन्होंने मंगलवार को योगी कैबिनेट की बैठक के बाद पोस्ट किया था।

अप्रैल से कोई मैच नहीं खेला, यूएस ओपन पर भी संशय, अल्काराज अप्रैल के बाद से कोई मैच नहीं खेल पाए

अल्काराज की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से बाहर

सस्पेंस

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज कलाई की पुरानी चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से बाहर हो गए हैं। इसके साथ ही साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन में उनके खेलने पर भी सस्पेंस बढ़ गया है। अल्काराज अप्रैल के बाद से कोई मैच नहीं खेल पाए हैं। वे सिनसिनाटी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने वाले थे, जिसे US ओपन की सबसे अहम तैयारी माना जाता है।

21 साल के स्पेनिश स्टार अल्काराज ने 14 अप्रैल को बार्सिलोना ओपन में अपना आखिरी मुकाबला खेला था। उसी मैच के बाद कलाई की चोट उभरने पर उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इसके बाद वह फ्रेंच ओपन और पूरा ग्रास-कोर्ट सीजन, जिसमें विंबलडन भी शामिल है, नहीं खेल सके।

हाल ही में सोशल मीडिया पर अल्काराज की प्रैक्टिस करते हुए तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे। इसके बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि वह 11 अगस्त से शुरू होने वाले सिनसिनाटी ओपन तक फिट हो जाएंगे। हालांकि, कलाई पूरी तरह ठीक नहीं होने के कारण मेडिकल टीम ने उन्हें कोई जोखिम नहीं लेने की सलाह दी।

अल्काराज का अगला लक्ष्य 30 अगस्त से शुरू होने वाला साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन है, जहां वह डिफेंडिंग चैंपियन हैं। हालांकि, बिना किसी वार्म-अप मैच के सीधे ग्रैंड स्लैम में उतरना आसान नहीं होगा। अगर वह समय पर पूरी तरह फिट नहीं हो पाए, तो यूएस ओपन में उनके खेलने पर भी सस्पेंस बना रहेगा।

टूर्नामेंट डायरेक्टर बोले- जल्द कोर्ट पर लौटें, यही उम्मीद

सिनसिनाटी ओपन के टूर्नामेंट डायरेक्टर बॉब मोरान ने आधिकारिक बयान जारी कर अल्काराज के हटने की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने और फिर से मुकाबले खेलने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका फिर से स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।'

जहीर खान ने लंका प्रीमियर लीग में टीम खरीदी

द्रविड़, युवराज और तेंदुलकर भी टीम खरीद चुके

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर जहीर खान ने लंका प्रीमियर लीग में टीम खरीदी है। वे जाफना फ्रेंचाइजी के को-ऑनर बन गए हैं। जहीर ने एंकर स्पोर्ट्स एबी के साथ टीम को टेकओवर किया, जिसके बाद इसका नाम बदलकर 'एंकर जाफना किंग्स' कर दिया गया है। जहीर से पहले राहुल द्रविड़, युवराज सिंह और सचिन तेंदुलकर जैसे भारतीय दिग्गज भी अलग-अलग टी20 लीगों में टीमों में निवेश कर चुके हैं। जहीर खान ने कहा कि उन्होंने हमेशा श्रीलंका के बॉलिंग टलैंट की तारीख की है। उन्होंने श्रीलंका में काफी क्रिकेट खेला है और उनकी वहां से जुड़ी कई अच्छी यादें हैं। जहीर ने कहा कि अब एक मालिक के तौर पर श्रीलंकाई क्रिकेट का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद रोमांचक है और वे एंकर जाफना किंग्स के साथ काम शुरू करने के लिए एक्साइटेड हैं। लंका प्रीमियर लीग के टूर्नामेंट डायरेक्टर सामंथा डोडनवेला ने जहीर खान के जुड़ने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि जहीर जैसे कद के व्यक्ति का टीम से जुड़ना पूरी लीग के लिए एक बड़ा बूस्ट है।

- **जहीर बोले- श्रीलंकाई क्रिकेट से जुड़कर एक्साइटेड हूं**
- **युवा खिलाड़ियों को मिलेगा जहीर का अनुभव**

शुभमन गिल की सेना में 4 नेट बॉलर्स की एंट्री

7 अगस्त से अभ्यास मैच में पसीना बहाएगी टीम इंडिया

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले हर्ष दुबे, शिवांग कुमार, तनुष कोटियन और विपराज निगम नेट बॉलर के तौर पर भारतीय टीम से जुड़ गए हैं। ये चारों खिलाड़ी श्रीलंका में तैयारी के दौरान शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम की मदद करेंगे। भारतीय टीम श्रीलंका पहुंच चुकी है और टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले कोलंबो में प्रैक्टिस मैच खेलेगी।

टेस्ट सीरीज से पहले भारत 7 अगस्त से कोलंबो के नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड पर तीन दिन का प्रैक्टिस मैच खेलेगा। पहला टेस्ट 15 से 19 अगस्त तक गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा और आखिरी टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होगा।

सीरीज से पहले भारत को कई खिलाड़ियों के चोटिल होने का झटका लगा है। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान बाएं घुटने में लगी चोट से पूरी तरह ठीक न हो पाने के कारण तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टीम से बाहर कर दिया गया है।

उनकी जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है। हर्षित राणा हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर हैं, जबकि नितीश कुमार रेड्डी क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल पाएंगे।

तेज गेंदबाज आकाश दीप भी उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि वह अपनी पीठ में स्ट्रेस रिएक्शन से उबर रहे हैं। यह दो मैचों की सीरीज ICC वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2025-27 साइकिल का हिस्सा है। भारत अभी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर है।

अब्दुल्ला शफीक ने 49 साल बाद दोहराया इतिहास

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान के अब्दुल्ला शफीक ने अपने करियर की सबसे यादगार पारी खेली। शफीक 323 गेंदों पर 160 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके साथ ही उन्होंने 49 साल बाद इतिहास रच दिया है। वह माजिद खान के बाद वेस्टइंडीज में 150+ स्कोर बनाने वाले पाकिस्तानी बल्लेबाज बने हैं। शफीक की इस पारी की बदौलत पाकिस्तान ने त्रिनिदाद में खेले जा रहे मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है।

शफीक का 150+ स्कोर वेस्टइंडीज में पाकिस्तान के किसी खिलाड़ी का 1977 में जॉर्जटाउन में माजिद खान के 167 रन के बाद पहला 150 से ज्यादा का व्यक्तिगत स्कोर है। यह 2016 में दुबई में अजहर अली के 302 रन के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला और 2021 में हरारे में आबिद अली के 215 रन के बाद उपमहाद्वीप के बाहर पहला ऐसा स्कोर है।

18 में से 12 पॉइंट्स जुटाए, अब 18 ब्लिट्ज मैचों से खिताब का फैसला

आर प्रज्ञानानंदा सेंट लुईस टूर्नामेंट के रैपिड में टॉप पर

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका में खेले जा रहे सेंट लुईस रैपिड एंड ब्लिट्ज चेस टूर्नामेंट के रैपिड में पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने 18 संभावित पॉइंट्स में से 12 पॉइंट्स जुटाकर 1 पॉइंट की बढ़त बनाई। अब खिताब का फैसला 18 ब्लिट्ज मैचों से होगा। इस प्रदर्शन से साल के अंत में होने वाले ग्रैंड चेस टूर फाइनल में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं।

रैपिड सेक्शन के नौवें और अंतिम राउंड में प्रज्ञानानंदा को नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फोरीस्ट से हार मिली। इसके बावजूद वह 12 पॉइंट्स के साथ टॉप पर बने रहे। रैपिड सेक्शन में उन्होंने 4 मैच जीते, 4 ड्रॉ खेले और सिर्फ एक मुकाबला गंवाया।

उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंजारोव और अमेरिका के वेस्ली सो 11-11 पॉइंट्स के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। सिंजारोव इसी साल होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के डी गुकेश को चुनौती देंगे। 9-9 पॉइंट्स के साथ अमेरिका के लेवोन अरोनियन, लेनियर डोमिंग्वेज, नीदरलैंड्स के अनीश गिरी और जर्मनी के विंसेंट कीमर संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। ब्लिट्ज फॉर्मेट में कीमर और सिंजारोव को प्रज्ञानानंदा के लिए सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है। इस टूर्नामेंट के बाद क्लासिकल फॉर्मेट का प्रतिष्ठित सिंक्वेफील्ड कप खेला जाएगा। सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है, जिसमें दुनिया के कई शीर्ष ग्रैंडमास्टर हिस्सा लेते हैं। इस खिताब के साथ प्रज्ञानानंदा ने अंतर-राष्ट्रीय सर्किट में एक और बड़ी सफलता अपने नाम की।

अब 18 ब्लिट्ज मैचों में होगा फैसला

टूर्नामेंट का रैपिड सेक्शन खत्म हो चुका है। अब सभी खिलाड़ियों को 18 ब्लिट्ज मुकाबले खेलने हैं, जिनके बाद चैंपियन का फैसला होगा। 2 लाख डॉलर (करीब 1.67 करोड़) की कुल इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के विजेता को 50 हजार डॉलर (करीब 42 लाख) मिलेंगे। ब्लिट्ज में हर जीत पर 1 पॉइंट मिलेगा, इसलिए प्रज्ञानानंदा के लिए अपनी बढ़त बनाए रखना आसान नहीं होगा।

मनोरंजन

'शहनाज गिल मासूम बनने का दिखावा करती हैं'

आंचल खुराना का तंज, बोलीं- शहनाज असल में चालाक और बदतमीज है

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस और 'रोडीज 8' की विनर आंचल खुराना ने पंजाब की मशहूर एक्ट्रेस शहनाज गिल पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। टेली मसाला को दिए इंटरव्यू में आंचल ने दावा किया है कि शहनाज असल में वैसी नहीं हैं जैसी सोशल मीडिया पर दिखाई देती हैं।

वे केवल 'क्यूट' और भोली-भाली बनने का दिखावा करती हैं, जबकि असल में वे काफी चालाक और बदतमीज हैं। आंचल के मुताबिक, शहनाज और उनके भाई की अच्छी पब्लिक इमेज सिर्फ वीडियोज की चालाकी से की गई एडिटिंग की वजह से बनी हुई है।

इंटरव्यू में 35 साल की आंचल खुराना ने कहा कि शहनाज खुद में ही खोई रहने वाली और कम IQ वाली इंसान हैं। उनके वीडियोज को इस तरह से एडिट किया जाता है कि वे बेहद प्यारी और मजाकिया लगें।

आंचल ने दावा किया कि वे खुद 8 महीने पंजाब में रही हैं और वहां शहनाज के बैकग्राउंड को लेकर कोई अच्छी बात नहीं बोली जाती। 'बिग बॉस 13' और 'मुझसे शादी करोगे' जैसे शोज में उन्हें ऐसा दिखाया गया जैसे वे बहुत अच्छी हैं, जबकि सच्चाई इससे अलग है।

शहनाज के भाई शहबाज बदेशा पर बात करते हुए आंचल ने कहा कि शहबाज बेहद बदतमीज इंसान हैं। आंचल ने बताया कि उन्होंने एक बार शहबाज को 'फुद्दू' यानी बेवकूफ कह दिया था, जिस पर शहबाज ने काफी बखेड़ा खड़ा कर दिया था।

'रणबीर कपूर के रामायण में राम के किरदार पर भड़कीं निकिता रावल, उठाई माफी मांगने की मांग

'बीफ खाने वाला घटिया'

नई दिल्ली। नितेश तिवारी (Nitesh Tiwari) की फिल्म रामायण (Ramayana) इस समय बॉलीवुड की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। यह एपिक ड्रामा दो पार्ट्स में रिलीज होगी जिसमें रणबीर कपूर (Ranbir Kapoor) भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण के रोल में नजर आएंगे।

एक्ट्रेस यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने आगे कहा, 'कोई कुछ भी कहे, मैं तो यही कहूंगी और कहती रहूंगी कि बीफ खाने वाला यह घिनौना व्यक्ति न तो राम के चरित्र को समझ सकता है और न ही उसे ठीक तरह से पर्दे पर निभा सकता है।'

यह विवाद फूड क्रिटिक कुणाल विजयकर के साथ हुए एक पुराने प्रमोशनल इंटरव्यू से शुरू हुआ है, जिसमें रणबीर ने अपनी खाने की आदतों के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि उन्हें रेड मीट पसंद है और एक्टर ने खुद को बीफ खाने का शौकीन बताया था। 'रामायण' फिल्म की घोषणा के बाद से ही यह क्लिप काफी ज्यादा वायरल हो रही है।

निकिता रावल ने रणबीर पर उठाए सवाल

फिल्म के रिलीज होने से पहले, एक्ट्रेस निकिता रावल ने रणबीर कपूर के भगवान राम का किरदार निभाने पर अपनी साफ राय जाहिर की है। 'बॉलीवुड मैस्कॉट' से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि रणबीर इस रोल के लिए सही पसंद हैं। उन्होंने बीफ खाने के बारे में रणबीर के पुराने बयान का जिक्र करते हुए कहा कि इससे कई हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं।

> **एक्टर पर निशाना साधते हुए निकिता ने कहा, 'यह किरदार रणबीर कपूर के लिए बिल्कुल भी नहीं है। ऐसा घिनौना और चरित्रहीन इंसान, जो बीफ खाता है और जिसने यह बात सार्वजनिक रूप से कही भी है। आपको क्या लगता है कि ऐसा व्यक्ति राम का किरदार समझ पाएगा?'**

पिता चाहते थे नाम हो मर्सिडीज, हीरोइन बनने से पहले अक्षय पर था क्रश, पहली मुलाकात में शाहरुख ने की बेइज्जती, गिरने से याददाश्त गई

52 की हुई काजोल

> **शरारत, बेबाकी, हाजिरजवाबी और दमदार एक्टिंग, इन चार शब्दों में अगर किसी एक एक्ट्रेस को बयां किया जा सकता है, तो वो हैं काजोल। बॉलीवुड की इस चुलबुली सुपरस्टार ने अपनी हंसी, अपने अंदाज और अपनी फिल्मों से तीन दशकों से दर्शकों का दिल जीता है।**

नई दिल्ली, एजेंसी

एक लड़की, जिनकी शरारतों से मां इतनी परेशान थीं कि गुस्से में कह देती थीं, रहाय... काश, तुझे भी एक बेटी हो, बिल्कुल तेरे जैसी। पिता उनका ऑफिशियल नाम 'मर्सिडीज' रखना चाहते थे, लेकिन मां ने साफ मना कर दिया।

इनकी दोस्ती की भी मिसाल दी जाती है। 15 साल की उम्र में उसने करण जौहर का ऐसा मजाक उड़ाया कि वो पार्टी छोड़कर ही निकल गए। वहीं उन्हें पहली फिल्म भी एक सहेली की मदद से ही मिली। लेकिन शूटिंग के पहले ही दिन सेट पर गिर पड़ीं। ये गिरने-पड़ने में भी पीछे नहीं थीं। जिस फिल्म का हिस्सा बनतीं, वहां गिरना तय था। बेस्ट फ्रेंड शाहरुख और करण का मानना था कि ये जिस भी फिल्म के सेट पर गिरती हैं, वो हिट हो जाती हैं। ऐसे ही एक बार कुछ कुछ होता है की शूटिंग में ये साइकिल से ऐसी गिरीं कि याददाश्त ही चली गई। दोस्तों ने पुरानी शरारत का बदला लिया और ये साबित कर दिया कि वो फिल्म की हीरोइन नहीं बल्कि बैकग्राउंड डांसर थीं।

पिता चाहते थे नाम हो मर्सिडीज, 11 की उम्र में बोर्डिंग स्कूल से भागीं, रास्ते में पकड़ी गईं

5 अगस्त 1974 में काजोल का जन्म मुंबई के समृद्ध बंगाली परिवार में हुआ। मां तनुजा, जानी-मानी एक्ट्रेस थीं और पिता शोमू मुखर्जी फिल्ममेकर।

उनके पिता मर्सिडीज कार के शौकीन थे। उन्हें पता चला कि ये कार बनाने वाले शख्स की बेटी का असल नाम मर्सिडीज था। बात में उसने बेटी के नाम पर मर्सिडीज कार बनाई। शोमू चाहते थे कि उनकी बेटी का नाम भी मर्सिडीज हो। वो अड़ गए, लेकिन तनुजा ने साफ कहा- मैं ऐसा नहीं होने दूंगी। उन्होंने बेटी का नाम काजल रखा, लेकिन बंगाली परिवार में इसे ही धीरे-धीरे काजोल कर दिया गया। काजोल बचपन में इतनी शरारती थीं कि मां उनकी अक्सर पिटाई करती थीं। कभी बैडमिंटन रैकेट से मारतीं तो कभी जो हाथ आया उससे।

काजोल महज 15 साल की थीं, जब वो मां एक्ट्रेस तनुजा के साथ एक फिल्मी पार्टी में गईं। डिस्को थीम वाली पार्टी में फिल्म इंडस्ट्री के कई और सेलेब्स भी आए थे। काजोल मस्ती कर रही थीं कि तभी पार्टी में फिल्ममेकर यश जौहर अपने 17 साल के बेटे करण जौहर के साथ आए। ये करण और काजोल की पहली मुलाकात थी। जैसे ही पेरेंट्स ने दोनों का परिचय करवाया, थ्री-पीस सूट, टाई लगाए हुए टीनएज करण को ऊपर से नीचे देखकर काजोल जोर-जोर से हंस पड़ीं। करण मजाक उड़ता देख उदास हो गए, तभी काजोल की मां ने फिर कहा- तुम दोनों बच्चे जाकर साथ डांस क्यों नहीं करते। दोनों डांस फ्लोर पर गए तो करण हिचकते हुए डांस करने लगे, लेकिन काजोल हंसी नहीं रोक पाईं और करीब आधे घंटे तक हंसती रहीं। करण का दिल टूट गया और वो पार्टी छोड़कर चले गए।

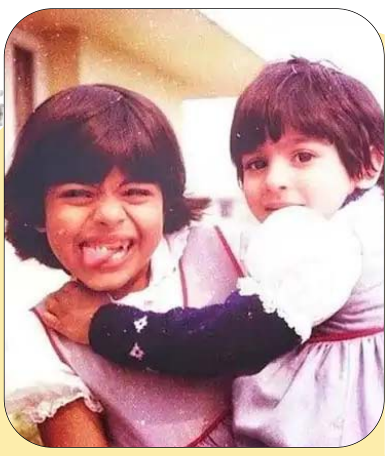

अक्षय कुमार पर था क्रश, देखने के लिए दोस्त करण को किया परेशान

काजोल को फिल्मों में आने से पहले अक्षय कुमार पर क्रश था। अक्षय कुमार 1987 में फिल्मों में आए थे और कई हिट फिल्में दे रहे थे। तब काजोल महज 16-17 साल की थीं। एक बार काजोल मां के साथ फिल्म हिना के प्रीमियर में पहुंची। तब तक उनकी करण जौहर से दोस्ती हो चुकी थी। प्रीमियर में जैसे ही काजोल को पता चला कि अक्षय कुमार भी आए हैं, तो वो करण का हाथ पकड़कर पूरे प्रीमियर में अक्षय को ढूंढती रहीं। ये किस्सा करण जौहर ने कपिल शर्मा के शो में सुनाया था।

12 रिजर्व सीटें क्यों खत्म कराना चाहते हैं प्रदर्शनकारी, मांगें क्यों नहीं मान रही सरकार

पीओके पाकिस्तान के लिए बना परेशानी

चुनौती

मुजफ्फराबाद, एजेंसी

पाकिस्तान और भारत के बीच कश्मीर को लेकर कई बार युद्ध हो चुका है। पाकिस्तान ने हमेशा भारत के साथ कश्मीर विवाद को सबसे बड़ा मुद्दा माना। इस वजह से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) के लोगों की अपनी परेशानियों पर कम ध्यान दिया गया। अब वहां हालात ऐसे हैं कि सरकार के लिए उनकी आवाज दबाना मुश्किल हो रहा है।

महंगाई के खिलाफ शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन अब एक बड़े राजनीतिक आंदोलन में बदल चुका है। इसे कई वर्षों में पाकिस्तान सरकार के सामने PoK से उठी सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

PoK में 3 चरणों में चुनाव हो रहे हैं। इस दौरान राजधानी मुजफ्फराबाद में सिक्योरिटी फोर्स गश्त करते हुए दिखाई दी।

आंदोलनों के सफल होने से JAAC का जनाधार बढ़ा। अब संगठन महंगाई के मुद्दे से आगे बढ़कर PoK को ज्यादा स्वायत्तता और राजनीतिक अधिकार देने की मांग कर रहा है। सबसे बड़ी मांग PoK विधानसभा की 45 सीटों में से 12 आरक्षित सीटों को खत्म करने की है। ये सीटें उन कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं, जो पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों में रहते हैं।

JAAC का कहना है कि जो लोग पाकिस्तान के दूसरे शहरों में रहते हैं, उन्हें PoK की सरकार बनाने का अधिकार नहीं होना चाहिए। JAAC के मुताबिक इन 12 सीटों की वजह से स्थानीय मतदाताओं की राय का असर कम हो जाता है और अक्सर केंद्र की सत्ता में बैठी पार्टी को फायदा मिलता है। न्यूयॉर्क टाइम्स के रिपोर्टर जब पिछले सप्ताह इलाके में पहुंचे तो उन्होंने पाया कि पाकिस्तान सरकार ने PoK के कई हिस्सों को लगभग बाहरी दुनिया से काट दिया है। पूरे इलाके में कई हफ्तों से इंटरनेट सेवा बंद थी। इसका असर सिर्फ मोबाइल और सोशल मीडिया पर नहीं पड़ा, बल्कि बैंक और ATM सेवाएं भी प्रभावित हुईं।

पीओके में आंदोलन की कमान किसके हाथ में है?

PoK में आंदोलन का नेतृत्व जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) कर रही है। इसका गठन 2023 में हुआ था। इसमें व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नेता शामिल हैं। शुरुआत में संगठन ने महंगी बिजली और आटे की बढ़ती कीमतों के खिलाफ आंदोलन छेड़ा था। 2024 और 2025 में हुए प्रदर्शनों के बाद पाकिस्तान सरकार को झुकना पड़ा। सरकार ने बिजली की दरें कम कीं और आटे पर सब्सिडी दी। इसके बाद PoK में आटा पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों की तुलना में काफी सस्ता मिलने लगा।

लॉन्ग मार्च पर रोक, कई नेता गिरफ्तार हुए

JAAC ने 9 जून को रावलकोट से राजधानी मुजफ्फराबाद तक लॉन्ग मार्च का ऐलान किया। रावलकोट को JAAC का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता है। यह जगह LoC से करीब 20 मील दूर है।

लॉन्ग मार्च होने से पहले ही 5 जून को पाकिस्तान सरकार ने आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगा दिया। कई प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बावजूद आंदोलन नहीं रुका। रावलकोट में समर्थकों ने कई हफ्तों तक धरना जारी रखा, जबकि दूसरी तरफ सरकार और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत भी चलती रही।

प्लास्टिक के नोट अप्रैल मई 2027 में आएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट अगले साल अप्रैल-मई के बीच लॉन्च होंगे। यह जानकारी RBI की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी, यानी MPC की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को दी।

उन्होंने बताया कि शुरुआत में कम वैल्यू के पॉलीमर करेंसी नोट जारी किए जाएंगे। इनका मार्केट में सर्कुलेशन और इस्तेमाल सबसे ज्यादा होता है। उन्होंने कहा-दुनिया के कई देशों जैसे ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में पॉलीमर करेंसी नोट 30 साल से भी अधिक समय तक सफलतापूर्वक उपयोग में रहे हैं। भारत में कागजी नोट, विशेषकर 10, 20 और 50 के छोटे नोट, बहुत जल्द गंदे हो जाते हैं या फटने लगते हैं। गवर्नर ने कहा- पॉलीमर नोट आने से इनकी उम्र बढ़ेगी, पानी या नमी से ये खराब नहीं होंगे और बार-बार नए नोट छापने का सरकारी खर्च भी कम होगा।

फास्ट न्यूज

यूएस में भारत की बेटी का कमाल

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस में रहने वाली भारतीय मूल की जान्हवी गुप्ता केवल फिल्म फेस्टिवल्स में ही नहीं, बल्कि अमेरिकी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बना रही हैं। उनकी फिल्में लगातार पुरस्कार जीत रही हैं और अमेरिका के निर्माता व निर्देशक उनके काम की जमकर तारीफ कर रहे हैं। फिल्म निर्माता नेनन न्वोके जान्हवी गुप्ता की तारीफ करते हुए कहते हैं, 'वह अपने साथ काम करने वालों से कहीं आगे के स्तर पर काम करती हैं।

दुबई में तबाड़तोड़ हमलों से धुआं-धुआं हुआ शहर

दुबई । जेबेल अली इंडस्ट्रियल क्षेत्र में 20 मिनट के भीतर सात धमाके हुए, जिनके बाद आसमान में काला धुआं दिखाई दिया। वीडियो बनाने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार किए गए। घटना के कारण पर सस्पेंस है। हालांकि मिसाइल हमले के दावे हुए हैं। दुबई के जेबेल अली इंडस्ट्रियल क्षेत्र में कई धमाकों हुए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में रात के आसमान में धुएं के घने गुबार छाए हुए दिखाई दे रहे हैं। ईरान की मेहर समाचार एजेंसी ने अमीराती अधिकारियों के हवाले से बताया कि 20 मिनट के अंदर कम से कम सात धमाके हुए।

खाड़ी देशों में हर सप्ताह तीन भारतीयों की मौत

दुबई । दुबई में एक कार शोरूम में गैस सिलेंडर विस्फोट में केरल के एक भारतीय प्रवासी की मौत हो गई। यह जानकारी एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार है। गल्फ न्यूज अखबार के अनुसार, केरल के कोल्लम जिले के रहने वाले 27 वर्षीय शिजिन पॉल की सोमवार को शेख जायद रोड स्थित एक कार शोरूम में हुए विस्फोट में मौत हो गई।

ईरान ने कुवैत में अमेरिकी सेना पर किए ड्रोन हमले

मिडिल ईस्ट में महायुद्ध की आहट, ट्रंप की धमकी बेअसर

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की अंतिम चेतावनी के अगले ही दिन मंगलवार को ईरान ने कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर तनाव और बढ़ा दिया। यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने तीन ड्रोन से अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया। वहीं, कुवैत और इराक के बसरा प्रांत में भी जोरदार धमाकों की खबरें सामने आई हैं।

ईरानी मीडिया ने भी कुवैत में विस्फोटों की पुष्टि की है। उधर, ओमान के समुद्री क्षेत्र में एक व्यापारिक जहाज पर हमले की सूचना ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूकेएमटीओ ने दी है। हालांकि, होर्मुज स्ट्रेट के प्रबंधन को लेकर ओमान और ईरान के बीच समझौते की घोषणा जल्द हो

सकती है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी इसकी उम्मीद जताई है। इन घटनाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रही। मंगलवार को ब्रेंट क्रूड करीब पांच प्रतिशत टूटकर 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया।

बता दें कि हमलों से एक दिन पहले ट्रंप ने अपने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर दावा किया था कि ईरान के साथ नए दौर की बातचीत चल रही है और किसी समझौते तक पहुंचने का यह आखिरी अवसर है।

ट्रंप प्रशासन एच-1बी, एल-1 वीजा एक्सटेंशन महंगा करेगा, भारतीय पेशेवरों और अमेरिकी कंपनियों पर सीधा असर

एच-1बी वीजा एक्सटेंशन कराने पर लगेगी भारी फीस

- नवीनीकरण पर 9-11 रिस्पॉन्स, बायोमेट्रिक फीस लगेगी।

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में डोनल्ड ट्रंप प्रशासन H-1B और L-1 वीजा की अवधि बढ़ाने को और महंगा करने की योजना बना रहा है। इस कदम से उन बड़ी अमेरिकी कंपनियों का खर्च बढ़ सकता है जो विदेशी कुशल कर्मचारियों (जिनमें हजारों भारतीय पेशेवर भी शामिल हैं) पर निर्भर हैं।

होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के रेगुलेटरी एजेंडा के अनुसार, एक आखिरी नियम आने की उम्मीद है, जिसके तहत वर्क वीजा बढ़ाने की याचिकाओं पर भी 9-11 रिस्पॉन्स और बायोमेट्रिक एंट्री-एक्जिट फीस लागू की जाएगी।

इस प्रस्ताव का असर गूगल और मेटा जैसी मल्टीनेशनल कंपनियों पर भी पड़ेगा, जो अपने यूएस ऑपरेशन्स में एग्जीक्यूटिव, मैनेजर और खास जानकारी रखने वाले कर्मचारियों को भेजने के लिए L-1 वीजा का इस्तेमाल करती हैं।

इस कदम से अमेरिका में काम कर रहे भारतीय प्रोफेशनल्स पर असर पड़ने की संभावना है, क्योंकि हर साल मिलने वाले ज्यादातर H-1B एक्सटेंशन इन्हीं को मिलते हैं। यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (USCIS) के डेटा के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में कुल 406,685 H-1B याचिकाओं को मंजूरी दी गई। इनमें से 71 प्रतिशत मंजूरियां (जो कुल 291,542 अर्जियों के बराबर हैं) प्रोग्राम में पहली बार शामिल होने वालों के बजाय पहले से चल रहे रोजगार को जारी रखने के लिए थीं। इन मंजूरियों में से 226,359 भारतीय नागरिकों को मिलीं, जो सभी H-1B रिन्यूअल का 77.6 प्रतिशत है।

गूगल और मेटा पर पड़ेगा सबसे ज्यादा असर

यह नया प्रस्ताव ट्रंप प्रशासन को हाल ही में मिली एक कानूनी हार के बाद आया है। अमेरिकी फैडरल अपील्स कोर्ट ने नए H-1B वीजा पर प्रस्तावित 1,00,000 डॉलर की फीस को रद करने वाले निचली अदालत के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

आमतौर पर H-1B वीजा वाले कर्मचारियों को शुरुआती तीन साल के प्रवास के बाद वीजा बढ़वाने की जरूरत होती है। इसलिए प्रस्तावित बदलावों से उन कंपनियों के लिए इमिग्रेशन से जुड़े खर्च बढ़ सकते हैं जो विदेशी टैलेंट (जिसमें भारतीय पेशेवर भी शामिल हैं) पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं।

क्या कहता है मौजूदा नियम?

अमेरिका में मौजूदा नियमों के तहत जिन कंपनियों में 50 से ज्यादा कर्मचारी हैं और उनमें से आधे से ज्यादा के पास H-1B या L-1 वीजा है तो उन्हें शुरुआती याचिका दाखिल करते समय या किसी कर्मचारी के नियोक्ता बदलने पर H-1B याचिकाओं के लिए अतिरिक्त 4,000 डॉलर और L-1 याचिकाओं के लिए 4,500 डॉलर का भुगतान करना पड़ता है।

नियम में कहा गया है, ₹डीएचएस नियमों में बदलाव और स्पष्टीकरण कर रहा है ताकि यह साफ किया जा सके कि 9-11 रिस्पॉन्स फीस सभी H-1B और L-1 एक्सटेंशन याचिकाओं पर लागू होगी।

जेलेंस्की ने वीडियो शेयर कर कहा- ये युद्ध अपराध है, यूक्रेन ने इस घटना को युद्ध अपराध करार दिया है

यूक्रेन में सब्जी बेचने वाले पर रूस ने किया ड्रोन से हमला

- रूसी ड्रोन ने खेरसॉन में सब्जी विक्रेता पर हमला कर घायल किया।
- राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वीडियो साझा कर रूस की निंदा की।

कीव, एजेंसी

यूक्रेन ने मंगलवार को रूस पर युद्ध अपराध का आरोप लगाया। यह आरोप तब लगाया गया जब एक वीडियो सामने आया जिसमें दक्षिणी शहर खेरसॉन में एक रूसी ड्रोन एक सब्जी बेचने वाले का पीछा करते और उस पर हमला करते हुए दिखाई दिया, जिससे वह नागरिक घायल हो गया। वीडियो फुटेज में एक ड्रोन को सड़क किनारे सब्जी की दुकान के तौर पर इस्तेमाल हो रही वैन के आस-पास एक आदमी का पीछा करते हुए दिखाया गया है। जैसे ही वह आदमी बचाव के लिए गाड़ी के पीछे छिपता है, ड्रोन में धमाका हो जाता है। यूरी ने बताया कि वह और उनकी पत्नी अपनी वैन के पास सब्जियों के क्रेट लगा रहे थे तभी उन्हें ऊपर एक ड्रोन की खास आवाज सुनाई दी। उन्होंने बताया कि जब उनकी पत्नी भागने लगीं तो ड्रोन ने अपना ध्यान उनकी तरफ कर लिया। उन्हें याद है कि उन्होंने ड्रोन के कैमरे की तरफ लहसुन की कई गांठें दिखाईं ताकि ऑपरेटर को पता चल सके कि वह उसकी फिल्मिंग नहीं कर रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा, ₹दुनिया को यह देखना चाहिए। उसे हर वह सबूत देखना चाहिए जिससे पता चले कि रूस पागल हो गया है और उसके सैनिक आम नागरिकों को मारने और उनके साथ बुरा बर्ताव करने में मजा लेते हैं।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, यूरी ने कहा, "उसे दिख रहा था कि मैंने टमाटर, कुछ खीरे और बैंगन जमीन पर रखे हुए थे। जब मैं दूसरी तरफ भाग रहा था तो वह छाते के नीचे भी आ गया।"

जारी किया गया पीड़ित का इंटरव्यू

पुलिस ने बताया कि 50 साल के आसपास की उम्र का यह व्यक्ति हमले में बच तो गया लेकिन उसे छर्रे लगने से चोटें आईं और वह सदमे में है। बाद में यूक्रेनी अधिकारियों ने पीड़ित की पहचान 52 वर्षीय यूरी के तौर पर की और अस्पताल से उनका एक वीडियो इंटरव्यू जारी किया।

खेरसॉन क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेक्जेंडर प्रोकुडिन के अनुसार, यूरी उस सुबह सब्जियां बेचने के लिए खेरसॉन गए थे। प्रोकुडिन ने टेलीग्राम पर अस्पताल का इंटरव्यू शेयर किया।

जेलेंस्की ने शेयर किया वीडियो

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हालिया फुटेज से पता चलता है कि रूस खेरसॉन में आम नागरिकों को लगातार निशाना बना रहा है।

जेलेंस्की ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज खेरसॉन में आम नागरिकों के खिलाफ रूस द्वारा किए जा रहे ड्रोन सफारी के एक और वीडियो ने कई लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने आगे कहा कि रूस पागल हो गया है और मॉस्को पर दबाव बढ़ाने तथा यूक्रेन के लिए मजबूत सुरक्षा गारंटी की मांग की।

नेतन्याहू ने गाजा पर ट्रंप की योजना से जताई असहमति

इजरायली सेना नहीं हटेगी पीछे

यरुशलम, एजेंसी

गाजा में सामान्य स्थिति की बहाली को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने असहमति जता दी है।

नेतन्याहू की असहमति हमास और अन्य सशस्त्र संगठनों के सभी हथियारों को डालने और इजरायली सेना की गाजा से वापसी को लेकर है। नेतन्याहू ने गाजा को हथियारविहीन बनाने की शर्त की याद दिलाई है। कहा है कि उसके बिना गाजा में येलो लाइन से इजरायली सेना का पीछे हटना संभव नहीं है।

नेतन्याहू ने साफ कर दिया है कि हमास के सभी हथियार डालने और गाजा के हथियारविहीन होने से पहले फलस्तीनी क्षेत्र की पुनर्निर्माण योजना को क्रियान्वित करने के विचार से वह पूरी तरह से असहमत हैं। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा, हाल में काहिरा में हमास के हथियार डालने के समझौते को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इससे पता चलेगा कि गाजा में किस कार्य के लिए क्या समय निश्चित किया गया है। नेतन्याहू से पहले सोमवार को इजरायल की सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति के सदस्य कैबिनेट मंत्री एली कोहेन साफ कर चुके हैं कि गाजा पर हमले बंद नहीं होंगे और न ही वहां से इजरायली सेना हटेगी। हमास के पूरी तरह से हथियार डालने और उसका अस्तित्व खत्म करने पर इजरायल ने समझौता किया है।

घटना : आग के कारण लोग घर छोड़कर भागे, 150 बचाए गए, 30 दमकल गाड़ियां आग बुझाने में जुटी, बिजली काटी गई

साओ पाउलो के केमिकल प्लांट में भीषण आग के बाद कई धमाके

साओ पाउलो, एजेंसी

ब्राजील के साओ पाउलो में भीषण हादसा हुआ है। यहां के एक केमिकल प्लांट में भीषण आग लगने के बाद कई धमाके हुए, जिससे घबराए लोग अपना घर छोड़कर भाग गए। आग पर काबू पाने के लिए 30 दमकल गाड़ियां और 60 से ज्यादा दमकलकर्मी जुटे हुए हैं।

आग लगने से घने धुएं और आग की लपटें आसमान में काफी ऊपर तक उठ रही हैं और 150 लोगों को वहां से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। ग्रेटर साओ पाउलो के इटाक्वाक्वेसेटुबा में एक सॉल्वेंट प्लांट में ये आग स्थानीय समय के अनुसार दोपहर करीब 3 बजे लगी।

साओ पाउलो की मिलिट्री फायर ब्रिगेड ने कहा, ₹अब तक पीड़ितों का कोई रिकॉर्ड नहीं है।₹ पता चला है कि आस-पास के इलाके में बिजली काट दी गई है और 150 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। प्रभावित कंपनी क्वेमा क्विमिका (Quema Quimica) है जो सॉल्वेंट्स और पॉलिएस्टर रेजिन का उत्पादन और विपणन करती है। फैक्ट्री में सॉल्वेंट स्टोर करने के लिए 24 टैंक हैं, जिनमें से हर एक की क्षमता लगभग 31 क्यूबिक मीटर है। फायर ब्रिगेड की टीमें आग बुझाने का काम जारी रखे हुए हैं।

100 फीट से ज्यादा ऊंचा उठता दिखा धुआं

घटनास्थल के वीडियो और तस्वीरों में फैक्ट्री से उठती आग की विशाल लपटें और 100 फीट से ज्यादा ऊंचाई तक उठता घना धुआं दिखाई दे रहा है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि घटनास्थल पर कई धमाके हुए हैं।

आग में घी का काम कर रहे सॉल्वेंट टैंक

एक वीडियो में जमीन से मैनहोल का ढक्कन फटकर उछलता हुआ दिखाई दे रहा है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इस धमाके की वजह से वहां से गुजर रहा एक व्यक्ति गिर पड़ा। प्लांट में सॉल्वेंट के 24 टैंक हैं और ये आग में घी का काम करते हैं। इसके अलावा, आग एक ऐसे औद्योगिक इलाके में लगी है जहां बहुत ज्यादा ज्वलनशील उत्पाद रखे हैं, जिससे धमाके का खतरा और बढ़ गया है।

बिना उकसावे के हुए हमले की भारत ने की कड़ी निंदा

यमन जहाज हमले पर विदेश मंत्रालय की दो टूक

सना, एजेंसी

विस्फोटकों से भरी एक नाव द्वारा किए गए हमले के बाद, यमन के पश्चिमी तट के पास लाल सागर में भारत के झंडे वाला एक मालवाहक जहाज डूब गया। इस जहाज पर चालक दल के 14 सदस्य सवार थे, जिनमें 13 भारतीय और एक यमनी नाविक था। यमनी बलों द्वारा सभी 14 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

MSV फैज नूर ओलिय्या नाम के जहाज पर हूथी के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेइदाह से लगभग 13 नॉटिकल मील दक्षिण में हमला किया गया।

यमन की नेशनल रेजिस्टेंस फोर्स, जिसे गाड्र्स ऑफ द रिपब्लिक के नाम से भी जाना जाता है, ने एक बयान में कहा कि कोस्ट गार्ड और नेवी की यूनिट्स ने नाविकों को बचाने के लिए एक

जॉइंट ऑपरेशन चलाया। उन्होंने हमले के लिए हूथी ग्रुप को भी जिम्मेदार ठहराया।

भारत ने एक बयान में यमन के समुद्री इलाके के पास जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की। केंद्रीय जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि उन्होंने डायरेक्टर जनरल मैरीटाइम एडमिनिस्ट्रेशन को निर्देश दिया है कि वे सभी एजेंसियों के साथ मिलकर उस इलाके में भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और बचाए गए क्रू को ज़रूरी मदद देने के लिए तुरंत कदम उठाएं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96